

संक्षिप्त समाचार

नए भाजपा अध्यक्ष का ऐलान इसी महीने होगा, मंथन शुरू

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष के नाम को लेकर एक बार फिर मंथन का दौर शुरू हो गया है। भाजपा जल्द ही अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने वाली है। मौजूदा संसद सत्र के बाद बीजेपी संगठन चुनाव प्रक्रिया तेज होगी। पहले प्रदेश अध्यक्षों के नाम की घोषणा होगी, इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐलान किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार भाजपा को अप्रैल के दूसरे हफ्ते के बाद नए अध्यक्ष मिलने की उम्मीद है। 4 अप्रैल को सदन की कार्यवाही खत्म होने के बाद चुनाव की प्रक्रिया तेज हो जाएगी।

वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा चाहता है केंद्र : रिजिजू

नई दिल्ली। देशभर में वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर सियासी गर्माहट तेज है। इसी बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस विधेयक पर सभी पार्टियों के साथ चर्चा करने की बात पर जोर दिया। मंगलवार को उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर बुधवार को लोकसभा में चर्चा चाहती है। बता दें कि इस विधेयक को बुधवार को प्रश्नकाल के बाद लोकसभा में पेश किया जाएगा। रिजिजू ने बताया कि लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएससी) की बैठक में इस पर चर्चा के लिए आठ घंटे का समय तय किया गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर बढ़ाया भी जा सकता है। इसके साथ ही रिजिजू ने कहा कि हम वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है, और देश यह जानना चाहता है कि किस दल का इस विधेयक पर क्या रुख है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर विपक्ष चर्चा में हिस्सा नहीं लेना चाहता, तो वे उन्हें रोक नहीं सकते।

व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे भारत और विली

नई दिल्ली। भारत और विली ने तय किया है कि दोनों देश व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे। विली के राष्ट्रपति गैब्रियेल बोरिक फ्रॉन्ट भारत दौर पर हैं। मंगलवार को विली के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिहाज से कई अहम मुद्दों पर बात हुई। बोरिक पांच दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं। अपने इस दौर में वे भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संभावनाओं को तलाशेंगे, जिनमें व्यापार और रक्षा क्षेत्र भी शामिल हैं। दोनों देशों के बीच शीघ्र नेतृत्व स्तर की बातचीत के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हमारी टीमों ने व्यापक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बातचीत की शुरुआत की है। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी।

अंतर्ना उवाच



अंतर्ना संसंध का निरंतर अग्रपद बढ़तीना धाम के लिए चल रहा मंगल पदविहार

जब सहन करने की शक्ति खत्म हो जाती है.. तब क्रोध का गुबार फूट पड़ता है..!

यदि रास्ते में दो आदमी लड़ झगड़ रहे हों और आप कितने ही जरूरी काम से जा रहे हैं, तो भी आपका मन खड़े होकर सुनने और देखने का करता है। क्यों..? दो व्यक्तियों के वाद विवाद को देखकर, तुम्हारे भीतर जो क्रोध का वेग दबा है वह जागृत हो जाता है। क्योंकि जो क्रोध का वेग हमने अपने भीतर दबा कर रखा है, उसे निकलने का मौका मिल जाता है और ना मिले तो हम व्यक्तिगत उस वेग को निकालने की कोशिश करते हैं। इसलिए घर परिवार में बात-बात पर लड़ाई झगड़े हो जाते हैं। सब भीतर से धरे बैठे हैं, सिर्फ आप उनको एक मौका दो भीतर भरो गुवार को निकालने का।

जब तक मनुष्य के मन में क्रोध, कयाप, मान, अहंकार, विषय वासना दबी है या धरी है, तब तक मनुष्य के मन में अमन चैन नहीं आ सकता। दरअसल आज का आदमी भीतर से कुण्ठित होता जा रहा है। अपने मन की इच्छाओं को दमित करते जा रहा है। यही वजह है कि वह अपनी विकृतियों से मुक्त नहीं हो पा रहा है। ना सुख, ना शांति, ना आनंद का जीवन जो पा रहा है।

आदमी सिर्फ आदतन विदंगी जी रहा है,, इसके अलावा कुछ नहीं...!!!

■ अंतर्ना आचार्य श्री प्रबोध सागर जी महाराज

सीहोर जिले का माता महल मंदिर: चुड़ैलों को खत्म करने पत्थरों के शेषनाग के नीचे विराजी हैं मां

सीहोर ■ प्रतिनिधि

सीहोर जिले के खारी गांव में माता महल मंदिर भक्तों की विशेष आस्था का केंद्र है। यह मंदिर विंध्याचल पर्वत श्रृंखला में सागोन के जंगल के बीच पहाड़ी पर है। यहां माता की बड़ी फोट की प्रतिमा है। मंदिर के पुजारी दुर्गा दास बाबा का दावा है कि करीब 400 साल पहले पहले इस क्षेत्र में चुड़ैलों का वास था। इस जगह को पहले चुड़ैल महल कहा जाता था। घने जंगल में होने के कारण ग्रामीण यहां जाने से डरते थे। उन्हें खत्म करने के लिए माता प्रकट हुईं हैं। करीब 50 साल पहले यहां नई प्रतिमा विराजित की गई है। माता के प्रकट होने के बाद ये माता महल के नाम से प्रचलित हुआ। मंदिर पहुंचने के लिए पहले सीहोर जिले के

पर्यटन गांव खारी पहुंचना होगा। सीहोर से बिलकिस्मंग और भोपाल से बड़होरी होकर खारी पहुंच सकते हैं। मंदिर खारी से करीब तीन किमी दूर पहाड़ पर है। यहां दो पहिया और चार पहिया वाहन आसानी पहुंच जाते हैं। ज्यादातर लोग अपने चार पहिया वाहन को पहाड़ी को नीचे खड़ा कर पहाड़ पर रातापानी के जंगल से होते हुए करीब एक किमी पैदल ट्रेकिंग कर मंदिर पहुंचते हैं। ये क्षेत्र रातापानी बफर जोन से लगा हुआ है। मंदिर के पत्थरों पर आदिमानवों के शैलचित्र मौजूद हैं। हर साल 1 जनवरी को यहां विशेष मेला लगता है, जिसमें बिलकिस्मंग, सीहोर, मंडीपद व इच्छार क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु आते हैं। मंदिर पहुंचने के लिए 3 किलोमीटर के कठिन रास्ते से जाना पड़ता है। ये रास्ता सागोन के

घने जंगल से होकर गुजरता है जो कि रातापानी के बफर जोन से लगा हुआ है। रास्ते में कई जगह खड़ी चढ़ाई हैं। बरसात के मौसम में कार से मंदिर तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। इस जंगल में बाघ का मुवमेंट भी बना रहता है। यहां के जंगल में वन विभाग की ओर से लगाए गए ट्रेप कैमरों में अक्सर ही बाघ कैचर होता है। ग्रामीणों की मान्यता है कि पहाड़ी पर माता का वास होने के चलते यहां बाघ देखा जाता है। मंदिर से करीब चार किलोमीटर दूर खिरी वाटरफॉल है। यहां 60 फीट ऊंचा झरना है। बारिश के दिनों में यहां काफी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। टूरिस्ट विलेज खारी आने वाले पर्यटक यहां जरूर आते हैं।

नाग देवता के पांच फनों के नीचे मौजूद है माता का मंदिर

खारी गांव में रहने वाले श्रद्धालु अर्जुन सिंह बताते हैं कि यहां पहाड़ में सांप के फन के जैसे दिखने वाली पत्थर की पांच आकृतियां हैं। इन्हें क्षेत्र के लोग शेष नाग का फन मानते हैं। इसके नीचे माता विराजमान हैं। पत्थरों पर प्राचीन शैलचित्र बने हुए हैं। पत्थर के एक फन के नीचे शिवलिंग है। दूसरे के नीचे माता रानी की प्रतिमा है। बाकी तीन में से एक में पुजारी रहते हैं। एक में उनकी अस्थाई किचन उनका सामान रखा है। मंदिर के पास ही ब्रह्मकांस नाम का पर्यटक स्थल है। यहां पत्थरों में छेद बने हुए हैं। इन छेदों में से लोग एक ओर से दूसरी ओर गुजरते हैं। पहले इसका उपयोग शिकार के लिए किया जाता था।

मुख्यमंत्री ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का माला पहनाकर किया अभिनंदन, उपहार भी दिए

सीएम राइज स्कूल अब सांंदीपनि विद्यालय होंगे

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गणवेश, लैपटॉप, ई-स्कूटी, साइफिल, कोचिंग के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करावा कर सही अर्थ में रामराज की कल्पना को साकार कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास कर रहा है। प्रदेश के समस्त निर्मित और निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूलों का नाम अब सांंदीपनि विद्यालय होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज भोपाल की अंरा कॉलोनी स्थित शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ओल्ड कैम्पेयन) में आयोजित 'स्कूल चलें हम' राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम-2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन विद्यालय परिसर पहुंचने ही विद्यार्थियों से संवाद किया और इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी देखीं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन कर सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में के.जी.-2 में प्रवेश लेने वाली नवीन बालिकाओं को माला पहनाकर उनके विद्यालय में प्रवेश की औपचारिकता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गणवेश, लैपटॉप, ई-स्कूटी, साइफिल, कोचिंग के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करावा कर सही अर्थ में रामराज की कल्पना को साकार कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास कर रहा है। प्रदेश के समस्त निर्मित और निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूलों का नाम अब सांंदीपनि विद्यालय होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज भोपाल की अंरा कॉलोनी स्थित शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ओल्ड कैम्पेयन) में आयोजित 'स्कूल चलें हम' राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम-2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन विद्यालय परिसर पहुंचने ही विद्यार्थियों से संवाद किया और इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी देखीं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन कर सराहना की।

भारत को उन्नत बनाने में शिक्षा का विशेष महत्व : शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि भारत को उन्नत बनाने में शिक्षा का विशेष महत्व है। मध्यप्रदेश में बच्चों के भविष्य को लिखने के लिए ऐसे प्रयास हो रहे हैं, जो पहले कभी नहीं हुए। जब 1 अप्रैल से बच्चे स्कूल पहुंचेंगे तो शासन द्वारा दी गई किताब बच्चों के पैग में होगी। इसी महीने यह कार्य पूरा किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि साइफिल सहित अन्य सुविधाएं भी विद्यार्थियों को समय पर मिलेंगी। समय पर अधिकांश परीक्षाओं के परिणाम घोषित हुए हैं। जो शेष परिणाम हैं वे भी शीघ्र घोषित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन करवाकर इस नीति को धरातल पर उतारने में योगदान दिया है। विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर शिक्षा, आवश्यक संसाधन और परिवेश उपलब्ध करवाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग संकल्प बढ़ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन विशेष है। अद्भुत संयोग है, जो मध्यप्रदेश को धरती पर हम देख रहे हैं। हमें अतीत में जाकर देखा होगा और अतीत के घटनाक्रम का शोध भी करना होगा। इसके अलावा आवश्यक सुधार भी हम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारा तो उस समय की परिस्थितियों में उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझा। वह प्रथम स्कूल चलें हम अभियान था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन विशेष है। अद्भुत संयोग है, जो मध्यप्रदेश को धरती पर हम देख रहे हैं। हमें अतीत में जाकर देखा होगा और अतीत के घटनाक्रम का शोध भी करना होगा। इसके अलावा आवश्यक सुधार भी हम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारा तो उस समय की परिस्थितियों में उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझा। वह प्रथम स्कूल चलें हम अभियान था।

गुजरात के बनासकांठा पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

हादसे में 20 की मौत, मरने वालों में 8 हरदा और 6 देवास के थे मजदूर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जताया शोक

वृजरात ■ एजेंसी

गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग हादसे में 20 श्रमिकों की मौत हो गई है। हादसे में मृतक श्रमिकों में सभी मध्य प्रदेश के मजदूर बताए जा रहे हैं। इसमें हरदा जिले के हंडिया के रहने वाले आठ और छह देवास के मजदूरों की पहचान हुई है। मृतकों में बाकी छह लोगों की अभी पहचान होना बाकी है। हरदा जिला प्रशासन ने एडीएम के नेतृत्व में एक टीम गठित की है। इसके लिए प्रशासन और पुलिस को एक टीम को हरदा से बनासकांठा रवाना कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से मध्यप्रदेश निवासी श्रमिकों के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का गुजरात सरकार से घटना के संबंध में लगातार संपर्क बना हुआ है। श्रमिकों की सहायता और परिवारों की मदद के लिए सभी आवश्यक प्रयास होंगे।

गैस सिलेंडर विस्फोट से आठ लोगों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में सोमवार रात भीषण हादसा हो गया। यहां एक घर में गैस सिलेंडर में भीषण विस्फोट हुआ, जिसके कारण आठ लोगों की मौत हो गई। सुंदरबन पुलिस जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया कि मरने वालों में चार बच्चों और दो महिलाएं भी शामिल हैं। मृतक संभवतः एक ही परिवार के थे। उन्होंने यह भी बताया कि पाथर प्रतिमा ब्लॉक के धोलाघाट गांव में रात करीब 9 बजे हुए विस्फोट में एक महिला भी घायल हुईं। सभी शव बरामद कर लिए गए हैं।

बदितियों का दौरा कर स्वच्छता अभियान में भाग लें पार्टी पदाधिकारी : हितानंद

हर्षोल्लास से मनाएं भाजपा का स्थापना दिवस

अंबेडकर जयंती की तैयारियों में जुट जाएं कार्यकर्ता

भोजपा ■ प्रतिनिधि

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ के क्लाइंटसअप और लाभार्थी प्रमुख 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों को जोड़ें। कार्यकर्ता 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की तैयारियों में जुट जाएं। मंडल समितियों में

हर्षोल्लास के साथ मनाएं। कार्यालय की सजावट कर रंगोली सजाएं तथा मिठाई बाँटें। सेल्फों लेकर उसे सोशल मीडिया पर 'हैशटैग बीजेपी फॉर विकसित भारत' के साथ पोस्ट करें। बैठक को प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास स्वनानी एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र याति ने भी संबोधित किया। हितानंद ने कहा कि 6 एवं 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर और 8-9 अप्रैल को मंडल व विधानसभा स्तर पर भाजपा की चुनावी सफलता, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जी के साथ विकसित भारत की ओर यात्रा जैसे विषयों पर नए प्राथमिक सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बड़ा हो या छोटा, निवेशक सिर्फ निवेशक है। हमने यही भावना रखी है। लार्ज इंडस्ट्री और एम्पएसएमई को डीबीटी के जरिए प्रोत्साहन राशि (सब्सिडी) ट्रांसफर करने के बाद सीएम यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने गरीबों का पैसा डीबीटी से सीधे उसके खाते में भेजने का इंतजाम किया है। एक साल में 5260 करोड़ रुपये दिए हैं। इसके पहले की भी सब्सिडी राशि थी गई है। निवेशक के हक का पैसा सीधे खाते में आना चाहिए। इसका काम हमारी सरकार ने किया है। इस साल उद्योगों के लिए डेढ़ गुना बजट बढ़ाया गया है। निवेश सेक्टर में गति लाने के लिए जरूरत के आधार पर और बजट बढ़ाया जाएगा। सीएम यादव ने कहा आईटी का बड़ा सेक्टर इंटीरि में है। इसलिए इंटीरि में 27 अप्रैल को आईटी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव करने वाले हैं। मास्टर सेक्टर कटनी में सांघरीली का है, इसलिए यहां जिला स्तर पर भी कॉन्क्लेव करने का काम हर माह किया जाएगा। यही स्थिति अन्य जिलों में भी रहेगी। संभाग की सारी इंडस्ट्री में भूमिपूजन करने का फैसला किया गया है। चंबल संभाग में 18 भूमिपूजन कर चुके हैं। इसके बाद उज्जैन में 27 इंडस्ट्री का भूमिपूजन और लोकार्पण कर चुके हैं।

सीएम की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय मप्र में परिवहन सेवा होगी शुरू कर्मचारियों का बढ़ाया भत्ता

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साधारण और ग्रामीण मार्गों में संगठित, सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्री परिवहन बस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रारम्भ करने की स्वीकृति दी गई। प्रदेश में ग्रामीण एवं साधारण मार्गों का ट्रेफिक एवं मार्ग खंड तथा बसों की फ्रीक्वेंसी निर्धारित करते हुए एक व्यवस्थित प्लानिंग अनुसार यात्री बसों को चलाया जायेगा। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में सुगम सुरक्षित एवं विनियमित यात्री परिवहन सुविधा, निजी क्षेत्र के माध्यम से उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है। यात्री परिवहन सेवा को प्रारम्भ करने के लिए 101 करोड़ 20 लाख रुपये की अंशपूजी के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई। इसके लिए राज्य स्तरीय होलिंग कंपनी के गठन की स्वीकृति भी दी गई है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन हेतु कंपनी एक्ट के तहत SPVs गठित हैं, जिसमें से 16 कार्यरत हैं। उक्त समस्त कर्पणियों को 7 भागीय कर्पणियों के रूप में मर्ज किया जावेगा। उक्त सात

सीएम की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय मप्र में परिवहन सेवा होगी शुरू कर्मचारियों का बढ़ाया भत्ता

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश में नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के साधारण और ग्रामीण मार्गों में संगठित, सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्री परिवहन बस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रारम्भ करने की स्वीकृति दी गई। प्रदेश में ग्रामीण एवं साधारण मार्गों का ट्रेफिक एवं मार्ग खंड तथा बसों की फ्रीक्वेंसी निर्धारित करते हुए एक व्यवस्थित प्लानिंग अनुसार यात्री बसों को चलाया जायेगा। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में सुगम सुरक्षित एवं विनियमित यात्री परिवहन सुविधा, निजी क्षेत्र के माध्यम से उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया गया है। यात्री परिवहन सेवा को प्रारम्भ करने के लिए 101 करोड़ 20 लाख रुपये की अंशपूजी के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई। इसके लिए राज्य स्तरीय होलिंग कंपनी के गठन की स्वीकृति भी दी गई है। वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन हेतु कंपनी एक्ट के तहत SPVs गठित हैं, जिसमें से 16 कार्यरत हैं। उक्त समस्त कर्पणियों को 7 भागीय कर्पणियों के रूप में मर्ज किया जावेगा। उक्त सात

एनटीएल में माता बम्बरवैनी प्राचीन मंदिर स्थल परियोजना घोषित

मंत्रि-परिषद द्वारा एनटीएल जिले के ग्राम लवकुशनागर में माता बम्बरवैनी प्राचीन स्थल मंदिर खसरा नं. 2157 रकबा 0.012 हेक्टेयर एवं खसरा नं. 2158 रकबा 30.375 हेक्टेयर पहाड़ क्षेत्र को परियोजना घोषित करने का निर्णय लिया गया। कर्पणियों के एकीकृत निबंधन के लिए राज्य स्तर पर कंपनी एक्ट 2013 के तहत एक होलिंग कंपनी का गठन जायेगा। साथ ही त्रि-स्तरीय संरचना के तहत दायित्व निर्वहन और सात क्षेत्रीय सहायक कर्पणियों में राज्य स्तरीय होलिंग कंपनी के 51 प्रतिशत शेयर बहुसंख्यक आधार पर निवेश करने एवं सात सहायक कर्पणियों के बोर्ड ऑफ़ उस्के आर्टिकल ऑफ़ एसोसिएशन में आवश्यक संशोधन की स्वीकृति, रीवा एवं ग्वालियर के लिए वर्तमान प्रचलित कंपनी को बंद करते हुए नवीन क्षेत्रीय कर्पणी गठित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इन क्षेत्रीय सहायक कर्पणियों का गठन, संबंधित संभागीय मुख्यालयों में स्थित सिटी बस ट्रांसपोर्ट की वर्तमान कर्पणी एक्ट के तहत SPVs गठित हैं, जिसमें से 16 कार्यरत हैं। उक्त समस्त कर्पणियों को 7 भागीय कर्पणियों के रूप में मर्ज किया जावेगा। उक्त सात

सीएम बोले - निवेशक के हक का पैसा सीधे खाते में जाना चाहिए

उद्योगपतियों को 42 करोड़ से लेकर 456 करोड़ तक की सब्सिडी की राशि ट्रांसफर की

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बड़ा हो या छोटा, निवेशक सिर्फ निवेशक है। हमने यही भावना रखी है। लार्ज इंडस्ट्री और एम्पएसएमई को डीबीटी के जरिए प्रोत्साहन राशि (सब्सिडी) ट्रांसफर करने के बाद सीएम यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने गरीबों का पैसा डीबीटी से सीधे उसके खाते में भेजने का इंतजाम किया है। एक साल में 5260 करोड़ रुपये दिए हैं। इसके पहले की भी सब्सिडी राशि थी गई है। निवेशक के हक का पैसा सीधे खाते में आना चाहिए। इसका काम हमारी सरकार ने किया है। इस साल उद्योगों के लिए डेढ़ गुना बजट बढ़ाया गया है। निवेश सेक्टर में गति लाने के लिए जरूरत के आधार पर और बजट बढ़ाया जाएगा। सीएम यादव ने कहा आईटी का बड़ा सेक्टर इंटीरि में है। इसलिए इंटीरि में 27 अप्रैल को आईटी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव करने वाले हैं। मास्टर सेक्टर कटनी में सांघरीली का है, इसलिए यहां जिला स्तर पर भी कॉन्क्लेव करने का काम हर माह किया जाएगा। यही स्थिति अन्य जिलों में भी रहेगी। संभाग की सारी इंडस्ट्री में भूमिपूजन करने का फैसला किया गया है। चंबल संभाग में 18 भूमिपूजन कर चुके हैं। इसके बाद उज्जैन में 27 इंडस्ट्री का भूमिपूजन और लोकार्पण कर चुके हैं।

अवैध रूप से संचालित अस्पताल सील

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर अवैध रूप से संचालित हो रहे अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल में पदस्थ एमडी डॉक्टर का भाई अस्पताल संचालित कर रहा था। नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर कई ऐसे निजी अस्पताल संचालित हो रहे हैं, जिनके रजिस्ट्रेशन समाप्त हो गए हैं और बिना रजिस्ट्रेशन के अवैध रूप से अस्पताल संचालित किए जा रहे थे। जब स्वास्थ्य विभाग को इसकी जानकारी मिली तो स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मुख्यालय पर संचालित हो रहे कई अस्पतालों का निरीक्षण किया। बता दें कि निरीक्षण के दौरान नर्मदापुरम में मालखेड़ी रोड पर एसपी बंगले के सामने जिला अस्पताल में पदस्थ एमडी डॉक्टर अंश चुग के भाई का अस्पताल सर्वेक्षण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के दस्तावेजों की जांच की।

मग्न में महंगी बिजली का करंट उच्च दाब उपभोक्ताओं पर 26 पैसे का बोझ

गोपाल ■ विल
देश में बिजली की कीमतों में औसतन 3.46 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी हुई है, जो 1 अप्रैल से लागू हो गई है। इस वृद्धि से कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहेगा। मध्यम वर्ग से लेकर ई-रिक्शा चालकों तक, सभी उपभोक्ता इस फसले से प्रभावित होंगे। बिजली कंपनियों ने विभिन्न श्रेणियों के लिए अलग-अलग दरें बढ़ाई हैं, जिसमें ई-रिक्शा चार्जिंग और उच्च दाब उपभोक्ताओं पर सबसे अधिक बोझ डाला गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि गरीब से लेकर उच्च वर्ग तक सभी को प्रभावित करेगी।
ई-रिक्शा चालकों पर सबसे ज्यादा भार: ई-रिक्शा चार्जिंग की दर में 24 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जो मौजूदा 6.90 रुपये से बढ़कर 7.14 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। यह उन चालकों के लिए बड़ा झटका है जो चार्जिंग पर निर्भर होकर अपनी आजीविका चलाते हैं। इसके अलावा, निजी इलेक्ट्रिक वाहनों को घरेलू कनेक्शन से चार्ज करने की सुविधा रहेगी, लेकिन वाणिज्यिक उपयोग के लिए अलग कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा।



उच्च दाब और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं पर भी असर: उच्च दाब उपभोक्ताओं के लिए 33 केवी लाइन की दर 5.65 रुपये से बढ़कर 5.91 रुपये हो गई है, यानी 26 पैसे की वृद्धि। वहीं, वाणिज्यिक कनेक्शनों में 20 पैसे की बढ़ोतरी के साथ दर 6.30 रुपये से 6.50 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। कृषि पंप (300-750 यूनिट) के लिए भी 18 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जो अब 5.92 रुपये से 6.10 रुपये हो गई है।
राजिकालीन छूट में बदलाव: औद्योगिक उपभोक्ताओं को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक मिलने वाली 10 प्रतिशत छूट को संशोधित किया गया है। नए टैरिफ में आठ माह के लिए 7.5 प्रतिशत और जून से सितंबर तक 10 प्रतिशत छूट लागू होगी।

वर्धमान नगर एयरपोर्ट रोड में प्रातःकालीन धर्मसभा का हुआ आयोजन अपराध का फल जेल है, तो पाप का फल दुर्गति: मुनिश्री प्रमाणसागर महाराज

गोपाल ■ विल
मुनि श्री ने कहा कि पाप की क्रिया करेगी तो पाप का बंध तो होगा ही होगा और जब पाप का बंध होगा तो पाप का फल भी मिलेगा ही मिलेगा मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य के जीवन की यह एक विडम्बना है, कि वह कर्म बांधने में वैशेष्य होकर कर्म बांधता है, और जब वह कर्म फल अपना फल देता है तो बहुत रोता है, कि हाय यह कैसे हो गया? मुनि श्री ने कहा कि जैसा कर्म तुमने किया है, तो वैसा फल तुम्हें भोगना ही पड़ेगा जब महापुरुषों को भी कर्म फल भोगना पड़ा तो हम तुम तो साधारण प्राणी हैं इसलिए कोई भी अशुभ कर्म है उसको करते समय सावधान रहो मुनि



श्री ने कहा कि भगवान पारसनाथ के जीव को देखो एक भव में गलती हुई गलत फहमी हुई उस पाप को काटने में 10 भव लग गये और मुनि बनने के पश्चात भी कर्मों ने नहीं छोड़ा। चक्वतीओ तथा बड़े बड़े महापुरुषों को भी कर्म ने नहीं छोड़ा मुनि श्री ने कहा कि जीवन में पुण्य पाप का चक्र निरंतर चलता रहता है, कर्म बंध निरंतर हो रहा है इस बात का अहसास होना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि अपराध का फल जेल है

इसलिये अपराध करने से डरते हो, पाप फल दुर्गति है, जिस दिन यह बोध हो जाएगा आप पाप से बच जाओगे मुनि श्री ने कहा कि पाप से डरोगे तभी कर्म के फल से बच पाओगे मुनि श्री ने कहा कि अशुभ प्रवृत्तियों से हर पल सावधानी रखिये जीवन बहुत छोटा सा है, जीवन की कहानी समाप्त हो जाए कहा नहीं जा सकता न कल का भरोसा है, न पल का भरोसा मुनि श्री ने श्रीमद् राजचंद्र जो कि एक जैन साधक थे, और गांधी जी उनको अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे वह हमेशा कहते थे कि तीन बातें सदैव ध्यान रखना। काल सिर पर सवार है मौत कभी भी तुम पर हावी हो सकती है पांव रखते ही पाप लगता है यानि हमारी प्रत्येक प्रवृत्ती में पाप समाया हुआ है, कदम कदम पर पाप का बंध हो रहा है यह अहसास अपने मन में जाग्रत होना चाहिये।
नजर खोलते ही जहर चढ़ता है पंचेन्द्रिय के विषयों की ओर देखा नहीं कि उनका जहर चढ़ा नहीं यह विषय विषय से खतरनाक विषय है विषय तो एक भव को लीलता है विषय भोग भव को लील जाते है मुनि श्री ने कहा कि जिसे कर्मों से डर लगता है उसी को वैराग्य होता है आचार्य श्री प्रमाणसागर महाराज के शेषसारी प्राणी सभी वीर योद्धा है इनको कर्मों से कोई डर नहीं लगता जिसे कर्मों से डर होता है वही कर्मबंध से बच सकता है।

संक्षिप्त समाचार

दैवेभो कर्मचारियों को नई वेतन दरे लागू, 275 रुपए प्रति माह बढ़ाया गया वेतन

गोपाल ■ विल
भोपाल। मग्न के श्रम आयुक्त ने प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के लिए 1 अप्रैल से 31 सितंबर तक के लिए नई वेतन दरें घोषित कर दी हैं। मग्न कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि श्रम आयुक्त ने प्रदेश के शासकीय एवं अदृशसाकीय विभागों में काम करने वाले दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के लिए 1 अप्रैल से अब अंकुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 12 125 रु अर्ध कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 13 121 रु कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 148 44 रु उच्च कुशल श्रमिक का वेतन प्रतिमाह 16 469 रुपए निर्धारित किया है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों को उक्त वेतन के साथ-साथ रविवार का अवकाश भी मिलेगा। मग्न कर्मचारी मंच ने प्रदेश की दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के वेतन में 1 अप्रैल 2025 से प्रतिमाह 275 रुपए की वृद्धि करने को उद्देश्य के मुह में जीरा के समान बताया है। श्रम आयुक्त ने अभी भी प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों की वेतन वृद्धि 10 साल पुराने इंडेक्स के आधार पर घोषित किया है जो दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों के साथ अन्याय है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं श्रमिकों का श्रम आयुक्त ने आर्थिक नुकसान किया है।

गर्मी सीजन के लिए अभी से एक्सप्रेस ट्रेनें फूल

गोपाल ■ विल
भोपाल। गर्मी के मौसम में लंबी दूरी की अधिकांश एक्सप्रेस ट्रेनें अभी से फूल हो गई हैं। उत्तर भारत (खासतौर पर रूपी-बिहार) की ओर जाने वाली ट्रेनें में काफ़ी सीट पाने के लिए अगले तीन महीने तक मारामारी मची हुई है। अप्रैल, मई और जून महीने में सबसे अधिक शादी-विवाह होने के साथ ही स्कूल, कॉलेज की छुट्टियां होने से परिवार सहित यात्रा करने वालों की संख्या बढ़ जाती है। इसके चलते दो महीने पहले से काफ़ी रिजर्वेशन टिकट कराने के लिए भोपाल और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र में भीड़ बढ़ गई है। भोपाल रेलवे स्टेशन से दिल्ली, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उप्र, बिहार, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, गोवा, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड आदि राज्यों की ओर जाने वाली ट्रेनें में यात्रियों की आवाजाही और बुकिंग की स्थिति को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने कई रूटों पर समर एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का शेड्यूल जारी करना शुरू किया है।

जय माँ भवानी सेवा समिति द्वारा 521 मीटर लंबी विशाल चुनरी यात्रा कल

गोपाल ■ विल
भोपाल। जय माँ भवानी सेवा समिति द्वारा चैत्र नवरात्रि के अवसर पर 521 मीटर लंबी विशाल चुनरी यात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन लगातार 9वें वर्ष हो रहा है। समिति के अध्यक्ष कौशल राय ने बताया कि यह भव्य यात्रा गुरुवार, 3 अप्रैल को शाम 4 बजे प्रारंभ होगी। चुनरी यात्रा श्याम नगर, अरेंज पेद्रोल पंप के पास से विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद माता के जयकारों के साथ रवाना होगी। यह यात्रा हबीबगंज थाना, इंदिरा मार्केट, रविशंकर नगर बोर्ड कॉलोनी, एकत पार्क, कोलार गेस्ट हाउस, चूना भट्टी होते हुए माँ कलिका मंदिर, चूना भट्टी पहुंचेगी। यहाँ माँ को चुनरी अर्पित की जाएगी। चुनरी यात्रा में विशेष रूप से देवी वरुण कन्याओं को रथ पर विराजित किया जाएगा। यात्रा के आगे विशाल भावा ध्वज, डीजे, डोल-नगाड़े रहेंगे। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर देवी वरुण कन्याओं का पूजन एवं अर्चना किया जाएगा, साथ ही श्रद्धालु उनसे आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

‘क्रिएट इन इंडिया चैलेंज’ के तहत वेल्स कॉलेज चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी वेल्स कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप और वेल्स अवार्ड्स ऑफ एवसीलेस के फाइनलिस्ट की घोषणा

गोपाल ■ विल
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ संयुक्त भागीदारी में इंडियन कॉमिक्स एसोसिएशन ने वेल्स कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप और इंडरनेशनल एनिमेटेड फिल्म एसोसिएशन अस्सिफा इंडिया ने वेल्स अवार्ड्स ऑफ एवसीलेस के फाइनलिस्ट की घोषणा आज भोपाल में आयोजित एक समारोह में की। इन्हें मुंबई में 1 से 4 मई, 2025 को आयोजित होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड इंटरटेनमेंट समिट (वेल्स) में पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। कार्यक्रम में प्रकाशकों को संबोधित करते हुए पीआरबी, भोपाल के अपर महानिदेशक श्री प्रशांत पाठ्याय ने वेल्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण आयोजन है जो पेंचर उद्यमी, निवेशक, निर्माता और नवप्रवर्तकों को मनोरंजन क्षेत्र

पूर्व आईएफएस अधिकारी सहित 3 के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने दर्ज की 420 की एफआईआर

राज्य आजीविका मिशन में की नियम विरुद्ध नियुक्तियां
सुषमा शुक्ला को एमबीएम की फर्जी डिग्री पद दी नियुक्ति



फर्जी निकली सुषमा शुक्ला की एमबीएम की डिग्री और अनुभव प्रमाण पत्र

ईओडब्ल्यू द्वारा जारी प्रेस विज्ञापित के अनुसार बेलवाल द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुये बिना योग्यता के सुषमा रानी शुक्ला को उस पद पर नियुक्त किया गया जिस पर उन्हें नियुक्ति नहीं दी जानी थी। इस पद के लिए न्यूनतम 15 वर्ष का प्रबंधकीय अनुभव अपेक्षित था, जबकि उन्हें यह अनुभव था ही नहीं। इसके बाद भी उन्हें नियुक्त करने के मात्र चार माह के अंदर ही अर्ध तरीके से 70 हजार प्रतिमाह का मान्यदेश स्वीकृत किया गया। इस पद के लिये एमबीएम या स्नातकोत्तर डिग्री आवश्यक होती है, साथ ही 15 साल का प्रासंगिक प्रबंधकीय अनुभव भी होना चाहिये। सुषमा शुक्ला द्वारा दी गई एमबीएम की डिग्री और अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी पाये गये। सुषमा शुक्ला ने अपने प्रोफाइल में 15 मई 2016 में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी) हैदराबाद का अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न किया था।

हुए तत्कालीन विभागीय मंत्री की आपत्तियों को भी नजरअंदाज करते हुए यह नियुक्तियां की गईं। जांच पूरी होने पर सामने आई रिपोर्ट में पाया गया कि जिस मानव संसाधन मार्गदर्शिका के नियमों के आधार पर स्वीकृत पदों के विरुद्ध बेलवाल द्वारा नियुक्तियां की गईं हैं। वह मानव संसाधन मार्गदर्शिका तब अस्तित्व में नहीं थी। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि अवैधानिक नियुक्तियों के साथ-साथ अन्य संवर्गों में लागू जीवन यापन लागत सूचकांक को बेलवाल द्वारा नजरअंदाज करते हुये इन अवैध नियुक्तियों के मानदण्डों में 40 प्रतिशत तक की असम्यक् बढ़ोतरी की गई। जांच में यह प्रमाण पत्र फर्जी पाया गया इसे एनआईआरडी द्वारा जारी नहीं किया गया था। वहीं सुषमा शुक्ला ने सिविलियन मणिपाल नियुक्ति से एमबीएम की डिग्री प्रस्तुत की थी, उसमें तीसरे और चौथे सेमेस्टर दोनों को मार्कशीय पर परीक्षा की एक ही तारीख (25.10.2010) अंकित थी। सैक करने पर विश्वविद्यालय ने चाक किया की दोनों सेमेस्टर की परीक्षाओं के बीच 6 महीने का अंतराल था। तीसरी देने के लिये साक्षात्कार पैलन का गठन भी बेलवाल द्वारा स्वयं किया गया।

पेट्रोल-डीजल पर लगाए टैक्स से भी अब होगा फ्लायओवर और सड़कों का निर्माण

गोपाल ■ विल
केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर लिए जाने वाले टैक्सों के अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए अतिरिक्त सेस लगाया जाता है, जिससे सड़कों-फ्लायओवरों का निर्माण देशभर में करवाया जा रहा है। भोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों में फ्लायओवरों के अलावा महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण भी सेंट्रल रोड फंड से करवाए जा रहे हैं। अब 22 जिलों की 30 सड़कों का निर्माण और आधा दर्जन फ्लायओवर भी सीआरएफ फंड से बनेंगे। लोक निर्माण विभाग को 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि केन्द्र ने इस फंड से जारी की है।



लोक निर्माण विभाग अब सीआरएफ फंड से मिली राशि से भी जिन सड़कों और फ्लायओवरों का निर्माण करवाया जाना है उनके सर्वे के बाद टेंडर की प्रक्रिया शुरू करेगा। इसमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश की कई महत्वपूर्ण सड़कों शामिल हैं, जिनके प्रस्ताव विधायक और सांसदों के माध्यम से शासन और फिर उसके बाद केन्द्र तक भेजे जाते हैं। गत वर्ष 3 हजार 800 करोड़ की राशि हासिल हुई थी। वहीं इस बार यह आंकड़ा 5 हजार करोड़ के पार हो गया है, जिसमें दो चरणों में 46 सड़कों के साथ 7

भोजपुर मंदिर के पास दो बाघों का रेस्क्यू

गोपाल ■ विल
भोजपुर मंदिर के पास से दो बाघों को रेस्क्यू किया गया। वन विहार भोपाल और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की टीम ने सोमवार पिंजरे लाया था। उसी रात करीब 9 बजे एक बाघ पिंजरे में कैद हो गया। जबकि दूसरे बाघ को मंगलवार को ट्रैकलगाइज कर पकड़ा गया। दोनों को चेकअप के बाद सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेज दिया गया है। पिछले एक महीने से बाघों का इस एरिया में मूलमट था। दोनों 10 से ज्यादा मवेशियों का शिकार कर चुके हैं। ग्रामीण दहशत के कारण खेतों में फसल नहीं काट पा रहे थे। भोजपुर, मंडीदीप और बोरारिया आने-जाने के लिए जंगल से गुजरना पड़ता है। कैक्टियों में काम करने वाले लोगों को रेर रात यहाँ से गुजरना पड़ता है। बाघों के मुचमट से ग्रामीण डर में जी रहे थे।

एनएचडीसी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन किया

गोपाल ■ विल
एनएचडीसी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में समझौता ज्ञापन (एमओयू) में उल्लेख रेटिंग के तहत 4900 मिलियन यूनिट के विद्युत उत्पादन लक्ष्य के मुकाबले 5575.02 मिलियन यूनिट का कुल वास्तविक विद्युत उत्पादन सफलतापूर्वक हासिल किया गया है, जोकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के वास्तविक विद्युत उत्पादन से 24.63% अधिक रहा है। एनएचडीसी द्वारा यह रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन, कंपनी की स्थापना के बाद से दूसरा सबसे अधिक विद्युत उत्पादन भी है। एनएचडीसी के 08 मेगावाट सांची सोलर प्लांट ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में क्षमता उपयोग कारक (सीयूएफ) 21.42% के साथ 15.021 मिलियन यूनिट का सौर ऊर्जा उत्पादन का उल्लेख लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है। इसी तरह एनएचडीसी के 88 मेगावाट ऑकारेश्वर प्लोटिंग सोलर प्लांट जिसकी दिनांक 29.10.2024 को सफलतापूर्वक कमिश्निंग हुआ था, ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 96.412 मिलियन यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है। इस अवसर पर एनएचडीसी के प्रबंध निदेशक श्री राजीव जैन ने कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। यह असाधारण रिकॉर्ड विद्युत उत्पादन कार्मिकों की कर्मठता एवं मशीनों के उल्लेख स्थिति में रखरखाव के कारण प्राप्त हो पाया है।



भाजपा का गांव चलो, बस्ती चलो अभियान 7 से पार्टी के कार्यकर्ता विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्यों में लेंगे भाग



गोपाल ■ विल
भाजपा 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक गांव चलो, बस्ती चलो अभियान संचालित करेगी। इस दौरान कार्यकर्ता विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्यों में भाग लेंगे। 12 अप्रैल को भोपाल में प्रदेश स्तरीय बैठक होगी, जिसमें अभियान, भाजपा स्थापना दिवस 6 अप्रैल और डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती 14 अप्रैल से जुड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा बनेगी। 6 अप्रैल को कार्यकर्ता अपने घर और कार्यालयों में पार्टी का झंडा लगाएंगे। 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रम होंगे। यह अभियान भाजपा को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने में सहायक होगा।

एमएसएमई में निवेश और टर्न ओवर की सीमा ढाई गुना हुई सूक्ष्म में ढाई, लघु में 25 और मध्यम उद्यम में 125 करोड़ की निवेश सीमा

गोपाल ■ विल
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों का निवेश सीमा बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये की गई है। पूर्व में निवेश की सीमा एक करोड़ तथा टर्न ओवर (कारोबार) की सीमा 5 करोड़ रुपये थी। इसी तरह लघु उद्यम श्रेणी में निवेश की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ और कारोबार की सीमा को 50 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया गया है। मध्यम उद्यम में निवेश की सीमा अब 125 करोड़ होगी तथा टर्न ओवर 500 करोड़ का होगा। पहले यह सीमा निवेश के लिये 50 और कारोबार के लिये 250 करोड़ नियत थी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा

अध्यक्ष अजितेश शर्मा ने कहा, हमें वेल्स कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट की घोषणा करते हुए वेहद खुशी हो रही है। श्री अजितेश शर्मा ने बताया कि देश भर से जबरदस्त उत्साह दिखाए जाने के बाद इंडियन कॉमिक्स

एसोसिएशन ने फाइनल राउंड के लिए 10 टीमों को चुना है। फाइनल दौर के लिए उम्मीदवारों का चयन उनकी रचनात्मक कहानी, कलात्मक कौशल और समग्र प्रभाव के आधार पर किया गया। इस चैंपियनशिप का उद्देश्य भारतीय कॉमिक्स

को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना और उपरती प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि कॉमिक्स क्रिएटर चैंपियनशिप के लिए आई प्रविष्टियों की गुणवत्ता असाधारण थी और हमें पूरा विश्वास है कि फाइनलिस्ट भारतीय कॉमिक्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। प्रविष्टियों का मूल्यांकन करने वाले पांच सदस्यीय निर्वाचक मंडल में प्रसिद्ध कॉमिक प्रकाशक और चित्रकार दिलीप कदम, प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट प्राण कुमार शर्मा के बेटे और खुद एक प्रसिद्ध कॉमिक क्रिएटर निखिल प्राण, वेब मंगा ड वीस्ट लीजन के निर्माता जैजित होमावजी, राज कॉमिक्स के संस्थापक संजय गुप्ता, अमर चित्र कथा की अध्यक्ष और सीईओ प्रीति व्यास शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

दो बाइकों में आमने-सामने से टक्कर, हादसे में पिता और बेटे को मौत

ग्वालियर। ग्वालियर में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दौरान हादसे में पिता और बेटे को मौत हो गई। मध्यप्रदेश में ग्वालियर जिले के डबरा देहात के पिछोर क्षेत्र में सड़क पर दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में 16 साल के

किशोर समेत दो लोगों की मौत हो गई। दरअसल, मंगलवार की सुबह कैथोला निवासी कल्याण सिंह अपनी बाइक से पिछोर जा रहे थे। उसी समय 16 वर्षीय रोहित पिछोर से गांव की ओर लौट रहा था। दोनों बाइक तेज स्पीड में थीं और अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गईं। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर जुटे स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस और पिछोर पुलिस को सूचना दी। दोनों को डबरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सतना के बाद जबलपुर के सराफा व्यापारी से ठगी

जबलपुर। सतना के 5 सराफा व्यापारियों से लाखों रुपए की ठगी करने के बाद जबलपुर पहुंचे तीन ठगों को राईली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी बदमाश यूपी के मथुरा और नोएडा के रहने वाले हैं। गिराह में दो युवक और एक महिला शामिल हैं। 27 मार्च को सतना के पांच व्यापारियों को नकली जेवरों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्तार में आए ठगों को का नाम जगदीश गौतम, सदीप गौतम निवासी मथुरा और अल्का शर्मा निवासी नोएडा है। पूछताछ में पता चला कि कुछ दिनों पहले इन लोगों ने शहर के लार्जमैन थाना अंतर्गत एक सराफा व्यापारी के साथ भी ठगी की थी।

विधवा ने बेटी की शादी में कलेक्टर को दिया न्योता

सीहोर। सीहोर में एक विधवा महिला को जनसुनवाई से मिली मदद से उनकी बेटी की शादी का रास्ता साफ हो गया है। रफीकगंज की रहने वाली रामकुंवर मालवीय ने मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर और पूरी टीम को अपनी बेटी की शादी का न्योता दिया। रामकुंवर मालवीय के पति रामगोपाल मालवीय, लोक निर्माण विभाग सीहोर में अकुशल कर्मी के रूप में कार्यरत थे। 17 जून को उनके अनमन्य निधन के बाद परिवार आर्थिक संकट में आ गया। रामकुंवर को उनके पति के पन्नीएस खाते की 3.68 लाख रुपए की राशि नहीं मिल रही थी, जिससे उनकी बेटी की शादी अवर में लटक गई थी। समस्या के समाधान के लिए रामकुंवर ने 4 मार्च को जनसुनवाई में अपनी शिकायत दर्ज कराई। कलेक्टर बालागुरु और जिला पंचायत सीईओ नेहा जैन ने मामले को गंभीरता से लिया और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रशासनिक अधिकारियों की तत्परता के चलते 25 मार्च को रामकुंवर के खाते में 3.68 लाख रुपए की राशि जमा कर दी गई। इससे रहत महसूस करते हुए उन्होंने कलेक्टर और प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी बेटी की शादी में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

रहवासी क्षेत्र से हटाई जाए शराब दुकान

दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

सागर ■ विसं

मध्यप्रदेश के सागर जिले में रहवासी क्षेत्र से शराब की दुकान हटाने की मांग की गई। वहीं, दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग को लेकर महिलाओं ने प्रदर्शन किया। सागर के राहलगाड़ में शराब दुकान रहवासी क्षेत्र से हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने शराब दुकान के सामने प्रदर्शन किया। राहलगाड़ के वार्ड क्रमांक-14 में संचालित शराब दुकान को दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने की मांग को लेकर बाई की बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और युवा इकट्ठा होकर मंगलवार सुबह नौ बजे शराब दुकान के सामने धरना प्रदर्शन पर बैठ गए।

वार्डवासी शराब दुकान हटाने को



लेकर नारेबाजी करते रहे। यह प्रदर्शन लगभग 12 बजे तक चला। वहीं, एसडीएम अशोक कुमार सेन ने एक मई तक शराब दुकान दूसरी जगह शिफ्ट करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद वार्डवासी माने और धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया। वार्डवासियों का कहना है कि वर्तमान में जहां शराब दुकान

संचालित है। इसी के पास तहसील, एसडीएम कार्यालय, सीएम राज स्कूल, सिविल अस्पताल लोक सेवा केंद्र, मंदिर मस्जिद और रहवासी क्षेत्र हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी जती है। आए दिन शराबी वार्डवासियों से लड़ते झगड़ते हैं, जिसे देखते हुए शराब की दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए।



क्षेत्र में पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त करने के लिए मप्र और छत्तीसगढ़ का एकमात्र अनुसंधान केन्द्र बनाया है। इसी प्रकार जी.आर.व्याय. इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मोसी के विद्यार्थियों और

पहले दिन उत्साहित दिखे बच्चे

तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर विद्यार्थियों का किया स्वागत

सीहोर ■ विसं

शिक्षा ही व्यक्ति को साहसी, सशक्त और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाती है। शिक्षित व्यक्ति सदैव सम्मान पाता है। शिक्षा की शक्ति के आगे सब कमजोर हैं। विद्या एक ऐसा धन है, जिसे कोई छीन नहीं सकता है और ज्ञान ही है, जो बांटने से बढ़ता है।

प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले में स्कूल चले हम अभियान एक अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। इस अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम सीहोर स्थित शासकीय सीएम राइज मनुबेन स्कूल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर तथा भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र की उन्नति तभी हो सकती है, जब उसके नागरिक शिक्षित और संस्कारवान हों। राष्ट्र निर्माण के लिए शिक्षित और संस्कारवान बनाने में शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यालयों में बच्चों को नैतिक शिक्षा का घाट जरूर पड़ना चाहिए।



गणवेश एवं पुस्तकें पढ़ाने पर इस अभियान का शुभारंभ किया

नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, कलेक्टर बालागुरु के, जिला शिक्षा अधिकारी सतेंद्र सिंह तोमर तथा डीपीसी रमेश राम उदके, प्रचार्य दीप सिंह राठौर सहित अनेक शिक्षकों ने विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, फूलमाला पहनाकर तथा गणवेश एवं पुस्तकें प्रदान कर इस अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पर्वट दिलीप राठौर, सुदीप प्रजापति भी उपस्थित थे।

देश, समाज और स्वयं की उन्नति का मार्ग केवल शिक्षा ही है। शिक्षा समाज की रीढ़ है। शिक्षा के बिना मनुष्य, बिना बुनियाद की इमारत की तरह होता है। व्यक्तिगत, समाज तथा राष्ट्र के निर्माण के लिए केवल शिक्षा ही एक मात्र माध्यम है। यह बात कलेक्टर बालागुरु के ने सीएम राइज मनुबेन स्कूल में स्कूल चले हम अभियान के शुभारंभ अवसर पर कही। कलेक्टर बालागुरु के ने कहा कि शिक्षा हमें लक्ष्य निर्धारित करने, सफलता प्राप्त करने और

चुनौतियों से सामना करके आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और प्रेरित करती है। आत्मविश्वास विकसित करने में भी शिक्षा का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति को साहसी, सशक्त और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाती है। शिक्षित व्यक्ति सदैव सम्मान पाता है, शिक्षा की शक्ति के आगे सब कमजोर हैं। विद्या एक ऐसा धन है, जिसे कोई छीन नहीं सकता है और ज्ञान ही है जो बांटने से तेजी से बढ़ता है।

कलेक्टर बालागुरु के ने अपने स्कूली समय के अनुभव को साझा करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ सही दिशा में कठिन परिश्रम करें तो प्रतिकूल परिस्थितियों भी आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश सरकार हर वर्ग के लिए शिक्षा के अवसर और संसाधन उपलब्ध करा रही है। अब विद्यार्थियों को केवल परिश्रम करना है। उन्होंने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु का सर्वोच्च स्थान है। शिक्षक ही विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से समर्पित भाव से पढ़ाने के लिए कहा।

24 घंटे में लूट का पर्दाफाश, कुर्ई पुलिस ने 24 लाख के गहनों की लूट सुलझाई

सिधनी ■ विसं

मध्यप्रदेश के सिधनी जिले में कुर्ई पुलिस ने लूट का खुलासा किया है। 24 घंटे के अंदर लूट के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं, छिंदवाड़ा जिले में उड़सा का फरार गांजा तस्कर गिरफ्तार हुआ है। सिधनी में थाना कुर्ई पुलिस ने शानदार कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर 24 लाख रुपयों की लूट का खुलासा कर दिया। आभूषण व्यापारी से लूट गए सोने-चांदी के गहने बरामद कर लिए गए हैं, और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

ग्राम खवासा निवासी नारायण सोनी (23) की कुर्ई बाजार चौक में सोरभ ज्वेलर्स नाम से सोने-चांदी की दुकान है। 30 मार्च 2025 की शाम वे अपनी दुकान बंद कर आभूषणों से भरा बैग लेकर घर लौट रहे थे। जैसे ही वे रिड्डी टुक तिराहा



पुलिस की तेज कार्रवाई और तकनीकी जांच

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सिधनी सुनील मेहता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कृपाल शाह लेकाम और साइबर सेल की विशेष टीम को जांच का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस ने तकनीकी हिलेखाने और सघन जांच के बाद संदीप सोनी और संजीत सोनी को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध कबूल कर लिया और पूरी साजिश का खुलासा किया।

(एनएच-44) पहुंचे, पीछे से आई एक सफेद कार ने उनकी मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वे सड़क पर गिर गए, तभी एक बाइक पर सवार दो

अपात्र नर्सिंग स्टूडेंट्स नहीं दे पाएंगे परीक्षा

जबलपुर। जबलपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अपात्र नर्सिंग कॉलेजों के करीब 10 हजार स्टूडेंट्स को 30 दिन के भीतर पात्र कॉलेजों में ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। नर्सिंग कॉलेज मान्यता फर्जीबाड़ी मामले को सीबीआई जांच में जिन कॉलेजों में छात्र नहीं मिले हैं, वो छात्र अपात्र होंगे और उन्हें परीक्षा नहीं बैठना जाएगा। हाईकोर्ट ने नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता संबंधी ऑरिजिनल फाइलों को याचिकाकर्ता द्वारा अवलोकन के बाद रिपोर्ट पेश करने के निर्देश भी दिए हैं। इसमें नूतनात्मक रूप से यह बताना होगा कि जो 300 कॉलेज सीबीआई जांच में अपात्र पाए गए उन्हें आखिर किन हालात और किन-किन कमियों के होते हुए भी निरीक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा अनुमति दी गई।

थेसर में फंसी आदिवासी महिला मजदूर का एक हाथ कटकर हुआ अलग

अस्पताल पहुंचने से पहले ही गई मौत

जमरिया ■ विसं

उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत बुढ़हान रामपुर गांव में थेसर मशीन की चपेट में आने से 40 वर्षीय फूल बाई की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में उनका एक हाथ कट गया और गंभीर चोटें आईं। अस्पताल ले जाने समय उनकी मृत्यु हो गई। मृतका मजदूरी कर परिवार चलाती थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम बुढ़हान रामपुर में मंगलवार सुबह एक हदयविदारक हादसा हुआ, जिसमें ग्राम नरवार निवासी 40 वर्षीय विधवा महिला फूल बाई पति स्व. तामा बैंग की



दर्दनाक मौत हो गई। घटना के दौरान महिला का एक हाथ शरीर से अलग हो गया और कमर से ऊपर का हिस्सा बुरी तरह चोटिल हो गया। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। ग्राम जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे नरवार के एक कृषक द्वारा खेत में चने की कटाई के लिए थेसर मशीन का उपयोग किया जा रहा था। यह थेसर जराह निवासी एक कारोबारी का बताया जाता है। कार्य के दौरान अचानक लापरवाहीवश फूल बाई मशीन की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद थेसर मालिक ने तत्पता दिखाते हुए घायल महिला को तुरंत अंतर्गत के माध्यम से अस्पताल भेजा, लेकिन दुर्भाग्यवश रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

महिला की मौत के बाद शव को गांव लाया गया, जहां ग्रामीणों ने गहरा शोक व्यक्त किया। इसके उपरांत शव को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मृतका के पति तामा बैंग का पहले ही निधन हो चुका था, जिसके बाद वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थीं। परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं, जिनकी पूरी जिम्मेदारी मृतका के कंधों पर थी।

स्व. सुभाष यादव को पुष्पाजलि अर्पित करने के लिए बोरवालों में उमड़ा जनसैलाब

हरित क्रांति के अग्रदूत मप्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव के 79 वें जन्मदिवस पर उनके गृह गांव बोरवालों में आज मंगलवार 1 अप्रैल को निमाड़, मालवा और प्रदेशवासियों ने उन्हें विनम्र पुष्पाजलि अर्पित की। स्व. सुभाष यादव की धर्मपत्नी श्रीमती दमयंती यादव, ज्येष्ठ सुपुत्र पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरुण यादव, छोटे सुपुत्र और मप्र के पूर्व कृषि मंत्री एवं कसरावद के विधायक सचिन यादव, उनके भाई राजेन्द्र यादव सहित आगामी 10 अप्रैल को बोरवालों में किया जा रहा है।

इंजीनियरिंग और फॉर्मोसी के क्षेत्र में विकास के अवसर और चुनौतियों पर नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन आगामी 10 अप्रैल को बोरवालों में किया जा रहा है।

शास. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गनेरा में हुआ प्रवेशोत्सव कार्यक्रम



माखननगर ■ विसं

पहले अप्रैल को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गनेरा में नवीन शत्र के लिए छात्रों का प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सरपंच संघ अध्यक्ष कृष्ण कुमार

सुनील टोलीवाल हुए सम्मानित



झा.जनपद पंचायत उपाध्यक्ष लालचंद यादव ने प्राथमी प्राचार्य हीरामणि वर्मा सहित समस्त स्टाफ की मौजूदगी में छात्रों का स्वागत कर शाला में प्रवेश कराया। इस अवसर पर श्री झा ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

फर्जी सर्टिफिकेट देकर 12 साल नौकरी करता रहा सुपरवाइजर, अब हाईकोर्ट ने हटाया

ग्वालियर ■ विसं

फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी सेवा में आने के बाद 12 साल से नौकरी कर रहे गौरव भार्गव नामक एक मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर को हाईकोर्ट ने तुरंत प्रभाव से हटाने का आदेश दिया है।

फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी सेवा में आने के बाद 12 साल से नौकरी कर रहे गौरव भार्गव नामक एक मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर को हाईकोर्ट ने तुरंत प्रभाव से हटाने का आदेश दिया है। नितिन गौतम और अन्य की याचिका पर सुनवाई के दौरान ये खुलासा हुआ कि गौरव ने जिस प्रमाण पत्र को पेश कर चयन प्रक्रिया में अतिरिक्त अंक प्राप्त किए, वह फर्जी था। मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर के पद पर गौरव भार्गव की नियुक्ति को हाईकोर्ट ने दूषित बताते हुए पद रिक्त घोषित करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट के आदेश के चलते अब गौरव के पद पर नए सिरे से भर्ती हो सकती है।

यह मामला 2013 में मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर के पद पर हुई भर्ती की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। इस प्रक्रिया को दूषित बताते हुए अर्धव्यर्थी नितिन गौतम और अन्य ने याचिका दायर करते हुए मुकेश, विनोद कुमार शर्मा दाउदयाल, गौरव भार्गव और कृष्ण कुमार शर्मा के चयन को चुनौती दी थी। याचिका में कोर्ट को



बताया गया था कि लिखित परीक्षा में ज्यादा अंक प्राप्त करने के बाद भी उनका चयन केवल इसलिए नहीं हो पाया, क्योंकि साक्षात्कार में उन्हें जानबूझकर कम अंक दिए गए। कोर्ट को बताया गया कि नियुक्ति के लिए एक कमेटी का गठन किया गया था, जिसमें स्थानीय कलेक्टर, सीएमएचओ व स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी बतौर सदस्य शामिल थे।

विशेषकर गौरव की नियुक्ति के मामले में ये खुलासा हुआ कि उसने जिला अस्पताल शिवपुरी में 24 जनवरी से लेकर 24 अप्रैल 2006 तक बतौर ड्रेसर सेवाएं दीं। इसके संबंध में तत्कालीन सीएमएचओ ने 25 अप्रैल 2006 को प्रमाण पत्र जारी किया। हालांकि, आरटीआई से प्राप्त जानकारी में तथ्य कुछ निकला। इस पर हाईकोर्ट को बताया गया कि गौरव ने बतौर वॉलंटियर सेवाएं दी थीं। यह तथ्य प्रकाश में आते ही हाईकोर्ट ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि ड्रेसर जैसे महत्वपूर्ण पद पर कोई वॉलंटियर के रूप में कैसे सेवाएं दे सकता है?

जल संरक्षण में आम जन का सहयोग भी जरूरी है- महापौर



खंडवा ■ विसं

नगर निगम खंडवा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत झीलोजान में पौधरोपण अभियान का शुभारंभ मंगलवार को महापौर अमृता अमर यादव द्वारा पौधा लगाकर किया गया, इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष पिकी सुदेश वानखेडे एवं भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर के साथ ही पार्षद गणों एवं उपस्थित जनों ने भी अपने हाथों से पौधे का रोपण किया, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि जल शक्ति अभियान, जल संरक्षण के लिए भारत सरकार का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। इसका मकसद लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जल संरक्षण

परियोजनाओं में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना है। महापौर अमृता यादव के मार्गदर्शन में निगम प्रशासन द्वारा ऐतिहासिक और प्राचीन पदमकुंड एवं रामेश्वर कुंड के साथ ही शहर में स्थापित जल संरचनाओं पर कार्य चल रहा है, आयोजित कार्यक्रम पंचायत अध्यक्ष पिकी सुदेश वानखेडे एवं भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर के साथ ही पार्षद गणों एवं उपस्थित जनों ने भी अपने हाथों से पौधे का रोपण किया, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि जल शक्ति अभियान, जल संरक्षण के लिए भारत सरकार का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। इसका मकसद लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जल संरक्षण

स्वर्गमौन ■ विसं

पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरुण यादव ने अपने पिता पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव के 79 वें जन्मदिवस पर अपने गृह गांव बोरवालों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पुष्पाजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमने बाबूजी के सपनों को साकार किया है। निमाड़ के किसानों की धरती पर बाबूजी द्वारा बोरावां में स्थापित उच्च तकनीकी शिक्षा संस्थानों को हमने ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान का प्रमुख केन्द्र बनाने की कोशिश की है। श्री यादव ने बताया कि स्व. गुलाबबाई व्याय. इंस्टीट्यूट शिक्षा महाविद्यालय को शिक्षा के



क्षेत्र में पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त करने के लिए मप्र और छत्तीसगढ़ का एकमात्र अनुसंधान केन्द्र बनाया है। इसी प्रकार जी.आर.व्याय. इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मोसी के विद्यार्थियों और

निमाड़ में आधुनिक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के प्रणेता थे स्व. सुभाष यादव

स्व. सुभाष यादव के छोटे सुपुत्र मप्र के कृषि मंत्री रहे कसरावद के विधायक सचिन यादव ने अपने पिताश्री का पुण्य स्मरण करते हुए बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव निमाड़ में आधुनिक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के प्रणेता थे। उनके द्वारा स्थापित सभी उच्च तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों में किसानों और मजदूरों के बालक-बालिकाएँ ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा प्राप्त कर अब अनुसंधान कर रहे हैं। उनका विधिव क्षेत्रों में किया जा रहा यह अनुसंधान देश के विकास में मौल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने आगे बताया कि बोरवालों के शैक्षणिक संस्थानों से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी देश विदेश में ख्याति प्राप्त संस्थानों में अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत हैं। यह हम सब निमाड़ वासियों के लिए गौरव का विषय है।

ही में बोरवालों में इंटरनेशनल कांशाला का भी आयोजन किया गया था। इंजीनियरिंग कॉलेज जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी बोरवालों में भी

स्व. सुभाष यादव को पुष्पाजलि अर्पित करने के लिए बोरवालों में उमड़ा जनसैलाब

हरित क्रांति के अग्रदूत मप्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव के 79 वें जन्मदिवस पर उनके गृह गांव बोरवालों में आज मंगलवार 1 अप्रैल को निमाड़, मालवा और प्रदेशवासियों ने उन्हें विनम्र पुष्पाजलि अर्पित की। स्व. सुभाष यादव की धर्मपत्नी श्रीमती दमयंती यादव, ज्येष्ठ सुपुत्र पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरुण यादव, छोटे सुपुत्र और मप्र के पूर्व कृषि मंत्री एवं कसरावद के विधायक सचिन यादव, उनके भाई राजेन्द्र यादव सहित आगामी 10 अप्रैल को बोरवालों में किया जा रहा है।

अनमोल वचन

बाधाए वो डरावनी चीजे है, जो आप तब देखते है जब आप लक्ष्य से अपनी आँखे हटा लेते है।
हेनरी फोर्ड
अपने मिशन में कामयाब होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकचित निश्चयान होना पड़ेगा।
अब्दुल कलाम

समादकीय

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘स्वस्थ भारत मिशन’ के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि अमूल-चूत परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूपन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अग्रणी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने ‘आयुष्मान भारत’ जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सरहना की तथा इसे ‘अनुकरणीय’ बताया। मोदी सरकार के ऐसे कार्यों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अछ्के काम के लिए प्रशास सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक जवादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों को उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मित्ता है। ऐसे कार्यों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है। मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूत् एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबों का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही हैं, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नीतिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी खलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी की इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ धपधपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इन्हें आयुष्मान भारत की अखंड योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए सरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश का माध्यम लाओंओं लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साध्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बात मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, चाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा सभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला संपन्न प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएँ, निदान और आहार इस्समें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गुहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, नवजात बच्चा देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दानो जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लाभार्ण एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आसस्थ संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है। मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी इकोनॉमिक्त यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों को ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर प्रांतीय इलाकों में सेवा देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गरीब बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्म में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जोरसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जोरसटी से मुफ्त करना चाहिए। बच्चों की बढ़ती आबादी के साथ नित नई चुनौतियां भी बढ़ेंगी। इसलिए इन चुनौतियों से निपटने के लिए बच्चों और युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कौशल विकास में अधिक निवेश करना बहुत जरूरी है।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय संरामंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कोमत पर राष्ट्र को प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरि महत्व दे; किंतु उस विद्वध-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनाता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चपखूड़े में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजीया दिखाई जा रही है?

पैनी नजर

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि का त्यौहार

रमेश सर्राफ़ धमोरा

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा करने का प्रसिद्ध त्यौहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्यौहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अधिन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। नवरात्रि पर्व में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन दिवयों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्यौहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य को जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीने के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमें देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राग्यों में विभिन्न तरीकों और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं दिनों में बहुत सारे दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन पर्व के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सारे दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं – शैलपुत्री,

बागमती नदी पर बराज बनाने का किसानों का विरोध

कुमार कृष्ण

बागमती नदी नेपाल के तराई क्षेत्र से निकलकर दक्षिण-मध्य नेपाल और उत्तरी बिहार राज्य, पूर्वीतर भारत में बहती है। सीतामढ़ी जिले में बागमती नदी पर नए बराज बनाए जाएंगे। ये बराज डेंग और कटौंझा के पास बनाए जाएंगे। इन बराजों का निर्माण के लिए 25.37 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। सरकार का दावा है कि बराज बागमती नदी के जरास्तर को नियंत्रित करेंगे और बाढ़ के प्रकोप को कम करेंगे। हाल में सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेंशन में इस योजना के विरोध किया गया।

वर्ष 2012 से ही बागमती में तटबंध बनाये जाने का विरोध109 गांवों के किसान कर रहे हैं पर सरकार तटबंध बनाने को पुर्जोर कोशिश कर रही है।

किसानों का मानना है कि तटबंध के बन जाने से वे उस उपाजक मिट्टी से वंचित रह जायेंगे जो हर साल बागमती अपने साथ लाती है तथा नदी पर जहां तटबंध बने हैं, वहां के खेतों की उर्वरकता घटी है। वर्ष 2018 में जब लोगों के विरोध के बावजूद यहां तटबंध निर्माण शुरू हो गया था तो हजारों किसानों ने हाईवे मार्ग कर दिया। इस विरोध के बाद सरकार ने काम रोक दिया और इसकी समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय समिती का गठन किया था। उस समिती के एक महत्वपूर्ण सदस्य अनिल प्रकाश कहते हैं कि कस्बेी को काम भी नहीं करने दिया गया और उसकी रिपोर्ट भी तैयार नहीं हुई।

इस कस्बेी में अनिल प्रकाश के अलावा प्रसिद्ध नदी विशेषज्ञ दिनेश कुमार मिश्र और आरंभाईटी, कानपुर से जुड़े प्रोफेसर राजीव सिन्हा शामिल हैं। अनिल प्रकाश कहते हैं कि अब तक समिती की एक ही बैठक हुई है। हां, समय-समय पर उनका समय बढ़ाया जाता रहा है। बच्चों के अनासुर उसका समय 31 दिसंबर, 2020 तक कर दिया गया था। उसके बाद की सूचना उपलब्ध नहीं है। तटबंध बने या न बने, उस पर कमेटी की कोई रिपोर्ट अभी नहीं कि फिर अब बराज निर्माण की तैयारी की जा रही है।

बागमती के सवाल पर सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेंशन में बागमती से बराज निर्माण पर तत्काल रोकना की मांग की गयी और इसका एकजुट होकर विरोध करने का फैसला किया गया। साथ ही तटबंधों पर जहां गांव नहीं हो वहां लक्का बनाकर या स्ट्रुईंग गेट के माध्यम से उपाजक पानी खेतों को दिलाने,सुपुी तथा मेजरगंज के कटाव प्रभावित गांवों की सुरक्षा के साथ विश्वस्थित परिवारों को मुआबजा

ख़ास बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागपुर यात्रा ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 11 वर्ष के कार्यकाल में पहली बार अपनी मातृ सस्था केशव कुंज नागपुर पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख महेश भागवत की तारीख की स्थिति संगठन संघ की तारीफ में करारी संके। स्थिति फिर पुचूचकर पूर्वजो को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद लाल सोध भीमराज अडेकर को भी श्रद्धांजलि देने दीक्षा भूमि पहुंच गए। प्रधानमंत्री मोदी की नागपुर यात्रा को लेकर कवस लागू जा रहे हैं। यह माना जा रहा है, उनका कार्यकाल बहुत कम समय का बचा है। पहले भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष संघ अपनी पसंद का बनाएगा। उसके बाद प्रधानमंत्री को बदला जाएगा। मोदी की उम्र 75 वर्ष पूर्ण हो चुकी है। सता में अब उनकी पकड़ कमजोर हो गई है। उनका मार्गदर्शक मंडल में जाने का समय आ गया है। उन्होंने संघ को बहुत कमजोर कर दिया था। संघ अब उन्हें सत्ता से बाहर करने जा रहा है। इस तरह की खबरें देश भर में सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई जा रही हैं। सच क्या है, भगवान जाने। अभी तो देनो एक दूसरे की तारीफ कर रहे हैं।

नितीश बाबू शाह के सामने भी झुके

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों अपनी अंतिम पारी खेल रहे है। इस अंतिम पारी में जिस तरह से सह भाजपा के केंद्रीय नेताओं के सामने बार- बार झुककर अपनी कमजोरी प्रदर्शित कर रहे है इससे ऐसा लगता है कि अब नीतीश कुमार भाजपा के मकड़ जाल में फंस चुके है। उन्हें बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं सुझा रहा है। केंद्रीय हमंत्रजी बिहार के ठेके पर थे। उन्होंने चुनावी बिगुल बजा दिया है। उनके सामने सर झुकाए नितीश बाबु को देखकर हर बिहारी हيران है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, वसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्व शुक्रोदय पूर्वे तिथि चौथ/पंचमी, बुधवारसे, कृत्तिका नक्षत्रे, प्रौतयोगे, विव करणे, वृष को चंद्रमा, भद्रा 02/38 संबधि सिद्ध योग, अमृत सिद्ध योग, 18/19 योग खान व्यापार धान्य छेदन अक्रामस्य तथापि दक्षिण दिशा को यात्रा शुभ व उजम होगी।
आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिये बालक किसान, उद्यमी, विवेकवान, शिषक, लिपिक, कम्प्यूटर-ऑपरेटर, बैंक कर्मचारी, उद्योगपति, लेखापाल, लिपिक, सार्टहेण्ड-टाईपिस्ट तथा लिखने में चतुर कवि, लेखक होंग।
मेघ राशि- अधिक संघर्षशीलता से बचिये, भोग-



नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सोख मिलती हैं। यह हमें बताती है की ईसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीव का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोदम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रद्धा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्हीं में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिष्कृता के चरण में पहुंच गयी है, उसकी पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समादिह का अंतिम दिन है। यह महावैश्वमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जलज लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वगत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नै तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप को नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग- अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया है। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का वह प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठे। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लागूया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने भस्म देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलाया। नवरााँ और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली रूपाहावािका अनेक सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिछत्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा से बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने आकर्षित किया है

किशन सनमुखदास भावनात

भारत हजारों वर्षों से संस्कृति, साहित्य, कला और संगीत के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर एक अणुष्टुत खजाने का धनी रहा है जिसे विश्व के हर देश ने बड़ी जिज्ञासा के साथ महसूस किया है। अब जानने की कोशिश की है कि आखिर कोई देश इस अलौकिक सृष्टि में इतना चुनौती खड़ासे से भरपूर कैसे हो सकता है!! साधियों बात अगर हम इस वैश्विक सोच की करें तो हमारी जीत इस सोच के साथ ही हो जाती है कि हमारे देश के बारे में विश्व इतना सकारात्मक और जिज्ञासा से भरी बौद्धिक क्षमता से देख वह क्यों रहा है। फिर सोने पर सुहराण है कि आज जिस तेजी के साथ हमारा देश प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, कौशलता विकास, नवजागर, नवोन्मेष सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर उपलब्धियों को झड़ी लगा रहा है उसे देखकर पूर्ण विश्वास ही भी सराहें!! साधियों बात अगर हम वर्तमान में भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत को प्रोत्साहन देने और शासकीय स्तरपर लोगों को आगे आने की अपील करने की करें तो हम रोज़ फ़िंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में देखें सुनें पढ़ें हैं कि माननीय उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अनेक युद्धिजीवियों कला प्रतिभाओं द्वारा अपने अनेक संबोधनों में भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, भाषा, मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने और विलुप्तता से बचाने पर जोर दिया है हमारी भारतीय सभ्यता, परंपराओं, संस्कृति के संरक्षण और सुरक्षा की कर्ं तो इसके हर रंगों को मानवीय हस्तगत के संयोजित हैं, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि सदियों तक हमारी अमली पीढी भी इसके महत्व का मूल्यांकन कर सके और जब तक यह सृष्टि रहे तब तक हमारी भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत सुरक्षित रहे जो हमारा अनमोल खज़ाना और धरोहर है उसे हम यूं विलुप्त होने नहीं देंगे यह सोच आज हर भारतीय नागरिक के हृदय में समाना अत्यंत ज़रूरी है, खास करके हमारे युवा साधियों के हृदय परंपरा को गोपे संरक्षित करना है क्योंकि आज भारत की 65 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है। साधियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा मन की बात कार्यक्रम में कहे गए अपने विचारों की करें तो उन्होंने भी इस अवसर पर भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत पर सार्थक हृदय से अपने विचार रखे जो तारीफ़ के काबिल है पीआईवी के अनुसार उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा ही विश्वभर के लोगों को अपनी ओर खींचा है। अगर मैं आपसे कहूँ कि भारतीय संस्कृति, अमेरिका, कनाडा, दुबई, सिंगापुर, पंडथमी यूरोप और जापान में बहुत ही लोकप्रिय है तो यह बात आपको बहुत सामान्य लगेगी, आपको कोई हैरानी नहीं होगी। लेकिन, अगर ये कहूँ कि भारतीय संस्कृति का लेटिन अमेरिका और साउथ अमेरिका में भी बड़ा अकर्षण है, तो, आप एक बार जरूर सोच में पड़ जायेंगे। मैक्सिको में बाद्री की बढ्वादा देने की बात हो या फिर ब्राज़ील में भारतीय परम्पराओं को लोकप्रिय बनाने का प्रयास, मन की बात में हम इन विषयों पर पहले चर्चा कर चुके हैं। आज मैं आपको अर्जेंटीना में फहरा रहे भारतीय संस्कृति के परचम के बारे में बताऊंगा। अर्जेंटीना में हमारी संस्कृति को बहुत पसंद किया जाता है।

दैनिक पंचांग		2 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति		बुधवार 2025 वर्ष का 92 वा दिन दिशाशांलु उत्रर ऋतु बसंत।
	सूर्य	मेघ	06.31 बजे से	चन्द्रमा 03.6 घण्टे
	चंद्र	वृष	08.11 बजे से	रवि कृत्तिका उत्रर 04° 56'
	मंगल	मिथुन	10.09 बजे से	सूर्य उत्ररगण
	बुध	मेष	12.39 बजे से	कृति अहर्गण 1872302
	गुरु	वृष	14.29 बजे से	शुक्र विराट 2460767.5
	शुक्र	मेष	16.51 बजे से	काल्याण संवत् 5125
	शनि	मेष	19.01 बजे से	कन्यारथ संवत् 1972949123
	राहु	मीन	21.16 बजे से	सृष्टि प्रहारी संवत् 1955885123
	केतु	कन्या	23.32 बजे से	वीरनिर्वाण संवत् 2551
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक	मकर 01.37 बजे से	हिक्रिा सन् 1446		महीना स्वात्वाल तारीख 03
	कुंभ 03.24 बजे से	विशो लक्ष्मी पंचमी।		
	मीन 04.56 बजे से			
दिन का चौथिडिया	रात का चौथिडिया			
स्राध 05.54 से 07.12 बजे तक	उदुष 05.41 से 07.12 बजे तक			
अमृत 07.22 से 08.51 बजे तक	शुक्र 07.12 से 08.44 बजे तक			
काल 08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत 08.44 से 10.16 बजे तक			
शुभ 10.19 से 11.47 बजे तक	घर 10.16 से 11.47 बजे तक			
गुरु 11.47 से 01.16 बजे तक	शुभ 11.47 से 01.19 बजे तक			
उदुष 01.16 से 02.44 बजे तक	काल 01.19 से 02.51 बजे तक			
घर 02.44 से 04.12 बजे तक	लघ 02.51 से 04.23 बजे तक			
स्राध 04.12 से 05.41 बजे तक	उदुष 04.23 से 05.54 बजे तक			
चौथिडिया शुभशुभ- शुल्ब श्रेय शुभ, अमृत व स्राध, वध्य व अशुभ उदुष, योग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।	शुभ 05.41 से 07.12 बजे तक	अशुभ 07.12 से 08.44 बजे तक	अमृत 08.44 से 10.16 बजे तक	घर 10.16 से 11.47 बजे तक
	शुभ 11.47 से 01.16 बजे तक	अशुभ 01.16 से 02.51 बजे तक	लघ 02.51 से 04.23 बजे तक	उदुष 04.23 से 05.54 बजे तक
	चौथिडिया शुभशुभ- शुल्ब श्रेय शुभ, अमृत व स्राध, वध्य व अशुभ उदुष, योग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।			

पीलै गौतमाचार्य



समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए-

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटफिटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम में मेटल वलासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवेयर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।



कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं

बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती हैं। बड़े होने पर उनकी पर्सनेलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के

बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं

लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है।



इन छोटे-छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग-अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी-सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार-बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10-11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए-

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मांलिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक़्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फेला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाह्यरहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम ब्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिफ्ट कर ना सोएँ, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके-हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता-पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

जैसे, आपके लिए बेड से जन्म करके नीचे कूटना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती है, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मेटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे को छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे हैं दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों को कोई-कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में

कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें पर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।



क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लगजरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे-

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरुआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ

उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग रिकॉर्ड्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकते हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उत्तेजित करने का समय होता है। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ-साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग-अलग एक्टिविटीज करोगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगी और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहुंचने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अवसर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विधा की है तो आपको विश्व को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके,

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल-टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान-जिस कपड़े पर सिलवट है उसे मेट्रेस या किसी



भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रै बोटल-पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रै बोटल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन-छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से ग्रंथे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर-ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब-वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2-4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में छाये हैं विदेशी खिलाड़ी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय क्रिकेटर अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं। सबसे अधिक विकेट और रन बनाने वालों में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले अनिकेट वर्मा ने 117 रन जबकि गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 137 रन बनाये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो खरबों अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में विदेशी खिलाड़ी छाये हुए हैं। सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर अधिकतर विदेशी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन 145 रन बनाकर सबसे आगे हैं। वहीं ऑरेंज कैप की रस में दूसरे नंबर पर टाइटंस की ओर से खेलने वाले भारत के सुदर्शन हैं।

आईसीसी ने कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को सही करार दिया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर मैट कुहनेमन को सदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से वलीन चिट मिल गयी है। इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में उनके एक्शन पर सवाल उठे थे। इस सीरीज में कुहनेमन ने 16 विकेट लिए थे। वहीं उन्हें सदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की जांच में सही पाया गया। इसके बाद इस खिलाड़ी को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साल 2025-26 के अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है। कुहनेमन को श्रीलंका में फरवरी में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला था। उन्होंने तब पांच टेस्ट में 25 विकेट लिए थे। उन्हें श्रीलंका दौरे के बाद गेंदबाजी एक्शन की जांच से गुजरना पड़ा और आईसीसी की जांच में उन्हें सही पाया गया।

वॉर्न, कुंबले और चावला से प्रेरित हैं जीशान

नई दिल्ली। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे लेग स्पिनर जीशान अंसारी का कहना है कि वह शन वॉर्न, अनिल कुंबले और पीयूष चावला जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने दिल्ली केपिटल्स के खिलाफ मैच में डेब्यू किया था। उन्हें एडम जंपा की जगह टीम में शामिल किया गया है। जीशान को सनराइजर्स ने मेगा ऑक्शन में 40 लाख रुपये में खरीदा गया था। जीशान ने भारतीय अंडर टीम से भी खेला है।

आईपीएल में आरसीबी का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा

आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी

वेगलुरु ■ एजेसी।

आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स वेगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला यहां अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसका कारण है कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं इसके अलावा इस सत्र में उसने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नये कप्तान रजत पाटीदार की कप्तानी में उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अच्छे फार्म में हैं। आरसीबी ने कोलकाता के इंडन गार्ड्स पर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपाक पर हराकर शानदार शुरुआत की थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आईपीएल के अब तक कुल 95 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 41 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। वहीं बाद में बेटिंग करने वाली टीम 50 मैच में जीत हासिल की है हालांकि 4 मैचों का परिणाम नहीं निकला। इस पिच पर सबसे बड़ा रन 287/3



सनराइजर्स हैदराबाद ने बनाया गया है, जबकि सबसे छोटा स्कोर 82 रन आरसीबी को टीम ने बनाई है। आरसीबी और गुजरात टाइटंस टीम के बीच इस मैदान पर अब तक दो बार भिड़ंत हुई। इस मुकाबले में दोनों टीमों को एक-एक मैच में जीत हासिल हुई।

यहां के स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड काफी रन बनते हैं पर आरसीबी का मानना है कि उसके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। हेजलवुड और भुवनेश्वर ने अब तक के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस की

बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल और भी साइ सुदर्शन पर टिकी रही। आरसीबी का प्रयास होगा कि गुजरात के शुरुआत में ही विकेट गिरावट देवा बनाया जाये। इस मामले में उसके पास स्विंग कराने में माहिर भुवनेश्वर और सटीक हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा युवा तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस पिच पर बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं।

टीम की स्पिन गेंदबाजी हालांकि कमजोर नजर आ रही है। उसके पास करणाल पंड्या और

दोनों टीमों के खिलाड़ियों

आरसीबी टीम: रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), विराट कोहली, फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, देवदत्त पंडिकल,टिम डेविड, करणाल पंड्या, जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल। गुजरात टाइटंस टीम: शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, रविभीनिवासन साई किशोर, कमिसो रबाडा, प्रिंसिथ कृष्णा।

सुयांश शर्मा है जबकि गुजरात के पास स्टार स्पिनर राशिद खान और आर साह किशोर हैं। ऐसे में आरसीबी के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा। आरसीबी के बल्लेबाजी विराट के अलावा फिल साल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पंडिकल पर रहेगी। गुजरात के पास कैमिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं जिनका सामना आरसीबी के लिये आसान नहीं रहेगा।



राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप में हिमाचल उपविजेता

शिमला, एजेसी। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सभी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। लखनऊ में हुई 47वें राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप के फाइनल में हिमाचल प्रदेश की टीम यूपी से कड़े मुकाबले में 19-17 से हार गई। उत्तर प्रदेश फाइनल जीत कर पहली बार चैंपियन बनी। पहले हाफ में दोनों ही टीमों ने तेज आक्रमण किए। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सभी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। इस दौरान हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ियों ने कई महत्वपूर्ण मौकों भी गंवाए। उत्तर प्रदेश की गोलकीपर निहारिका ने दमदार खेल दिखाते हुए कई अटैक को विफल कर दिया। यूपी की ओर से नैना ने सबसे अधिक 6 गोल दागे। रेशमा, सुमन, प्रीति और अनन्या ने इसमें बेवूबी साथ दिया 13-3 गोल करत हुए जूनियर को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। वहीं, दौथा को एक गोल करने में यशफला मिली। हिमाचल प्रदेश की ओर से जस्सी ने 6, काजल ने 5, कृतिका ने 4 और नितिका और मुस्कान ने 1-1 गोल किए। उत्तर प्रदेश को टीम ने पिछले सीजन में कांस्य पदक जीता था। समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बुजेश पाठक रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बड़े बदलाव की ओर

टेस्ट कप्तानी से हटे ब्रेथवेट, शाई होप को टी20 की कमान

सेंट जॉस, एजेसी। नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीस जैसे खिलाड़ी हैं।

कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स से नदारद रहने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट अब बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में ब्रेथवेट ने चार साल बाद वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सोमवार को बताया कि शाई होप को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है।

32 वर्ष के ब्रेथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह कप्तान बनाया गया था। वहीं वनडे टीम के कप्तान होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम की कप्तानी दी गई है। रोवमैन पॉवेल मई 2023 से टी20 कप्तान थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ब्रेथवेट चाहते थे कि उनके खेल को अलविदा कहने से पहले टीम बदलाव के दौर से गुजर जाए। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू ब्रूंचल से पहले उन्होंने कप्तानी छोड़ दी ताकि नये कप्तान को खुद को स्थापित करने का समय मिल जाये।

नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीस जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा गुडवेंश मोती को भी हाल फिलहाल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिल सकता है।



व्यापार समाचार

पूंजीगत व्यय में नहीं की गई कटौती, वित्त मंत्री बोलीं
वित्तीय वर्ष 26 में बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हुए

नई दिल्ली, एजेसी। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए सीतारामण ने कहा कि 2024-25 में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये होगा। वित्त मंत्री ने बताया है कि पूंजीगत व्यय में बिल्कुल भी कटौती नहीं की गई है। इस दौरान वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि भारत के बाद दुनिया में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

पूंजीगत व्यय में कटौती नहीं की गई है, बल्कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इसे बढ़ाकर 11.21 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है और इसी वर्ष पूंजीगत व्यय के लिए राश्यों को दिए जाने वाले ऋण में भी अनुपातिक वृद्धि की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण ने मंगलवार को राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए सीतारामण ने कहा कि 2024-25 में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये होगा। उन्होंने कहा, "वास्तव में, इस साल बजट में यह 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसलिए, पूंजीगत व्यय में बिल्कुल भी कटौती नहीं की गई है।"

पूंजीगत व्यय के लिए व्याज मुक्त 50 वर्षीय विशेष सहायता योजना के अंतर्गत राश्यों को दिए जाने वाले ऋण में अनुपातिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, इसलिए, पूंजीगत व्यय में कटौती करना हमारे लिए संभव नहीं

पीएफ ऑटो-क्लेम लिमिट बढ़कर हुई 5 लाख

क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी

नई दिल्ली, एजेसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7.5 करोड़ सदस्यों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी है, जिसमें पीएफ निकासी की ऑटो सेटलमेंट लिमिट को 5 लाख रुपए तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी। नए बदलाव के तहत ईपीएफओ के सदस्य अब शादी, शिक्षा और घर खरीदने के लिए भी पीएफ ऑटो-क्लेम की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा पहले केवल बीमारी और अस्पताल के खर्च के लिए ही उपलब्ध थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह निर्णय श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा के अध्यक्षता में केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की 113वीं बैठक में लिया गया था जो 28 मार्च को श्रीनगर में हुई थी। सीबीटी से मंजूरी मिलने के बाद,



ही सीतारामण वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के एक सवाल का जवाब दे रही थीं।

चिदंबरम ने वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 10,18,429 करोड़ रुपये करने का कारण पूछा था। इसी तरह, उन्होंने बताया कि राश्यों को मिलने वाली विशेष सहायता को वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में 3,90,778 करोड़ रुपये से घटाकर 2,99,891 करोड़ रुपये कर दिया गया था।

एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र इस बात की निगरानी करता है कि राज्य पूंजीगत व्यय या किसी अन्य चीज के लिए धन का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब धन भेजा जाता है, तो मुझे तुरंत पता नहीं चलता कि इसका उपयोग

पूंजीगत व्यय के लिए किया गया है या नहीं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे समय बीतने के साथ, विभिन्न डिजिटल तरीकों से जब व्यय के लिए विभिन्न नोडल खातों में धनराशि डाली जाती है, तो केंद्र को पता चलता है कि पैसा कहाँ खर्च हुआ।

वित्त मंत्री बोलीं- भारत के पास दुनिया में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार: वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण ने मंगलवार को राज्यसभा में बताया कि भारत 658.8 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है। वित्त मंत्री ने कहा कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने के लिए देश के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने सदस्यों को विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर उनकी चिंताओं से अवगत कराया।

वित्त मंत्री ने कहा, मैं आपको आश्चर्य करना चाहती हूँ कि 25 मार्च, 2025 तक कुल विदेशी मुद्रा भंडार 658.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। किसी भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में हम चौथे सबसे बड़े देश हैं। इसका मतलब है कि हमारे पास जो विदेशी मुद्रा भंडार है, वह हमारे 11 महीने के आयात का ध्यान रखने के लिए पर्याप्त है। वित्त मंत्री ने कहा, हालांकि, विदेशी मुद्रा भंडार में थोड़ी गिरावट आई है, फिर भी आज स्थिति यह है कि विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में हम चौथे सबसे बड़े देश हैं।

व्यापार समाचार

ट्रंप की धमकियों के बीच सरकार ने किया टैरिफ का बचाव, मंत्री बोले

हम घरेलू उद्योगों की रक्षा चाहते

नई दिल्ली, निप्र। केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में कहा है कि भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है और किसी भी वस्तु पर लागू किए जा सकने वाले उसके अधिकतम टैरिफ से बंधा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी ओर से लगाए जाने वाले टैरिफ आम तौर पर किसी भी वस्तु के लिए तय अधिकतम टैरिफ से कम होते हैं। मंत्री ने आगे क्या कहा, आइए जानें।

भारत की टैरिफ नीति का मकसद व्यापार को विनियमित करना, घरेलू उद्योगों की रक्षा करना और आयातित व निर्यातित वस्तुओं पर कर लगाकर राज्यसत्ता पैदा करना है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र प्रसाद ने मंगलवार को लोकसभा में यह बात कही।

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री प्रसाद ने कहा कि सरकार टैरिफ और भारत की आर्थिक वृद्धि पर उसके असर के बारे में नीति आयोग की ओर से हलचल में दिए गए बयानों से अवगत है। प्रत्यक्ष प्रश्नकाल के दौरान बताया कि नीति आयोग का बयान आर्थिक विकास हासिल करने और वैश्विक अव्यवस्था में भारत को अधिक आकर्षक खिलाड़ी बनाने की भारत की व्यापक रणनीति के अनुरूप है।

मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार नीति आयोग के उस बयान से अवगत है जिसमें कहा गया है कि टैरिफ सुरक्षा से भारत को कोई लाभ

नहीं है और आर्थिक विकास के लिए इसे टैरिफ कम करना जरूरी है। प्रसाद ने कहा कि भारत की टैरिफ नीति का उद्देश्य व्यापार को विनियमित करना, घरेलू उद्योगों की रक्षा करना और आयातित व निर्यातित वस्तुओं पर करों के माध्यम से राज्यसत्ता उत्पन्न करना है।

उन्होंने कहा, हालिया सुधारों में टैरिफ संरचना को सुव्यवस्थित करने और व्यापार को सुविधाजनक बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मंत्री ने कहा कि भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है और किसी भी वस्तु लाइन पर लागू किए जा सकने वाले उसके अधिकतम टैरिफ से बंधा हुआ है। टैरिफ आम तौर पर किसी भी वस्तु के लिए तय अधिकतम टैरिफ से कम होते हैं।

उन्होंने कहा कि बदलते व्यापार परिदृश्य में भारत अधिक से अधिक मुक्त व्यापार समझौतों की ओर बढ़ रहा है। मंत्री ने बताया कि पीटीए/एफटीए जा सकने वाले उसके अधिकतम टैरिफ से बंधा हुआ है। टैरिफ आम तौर पर किसी भी वस्तु के लिए तय अधिकतम टैरिफ से कम होते हैं।

लोगों को महंगाई की मार से मिलेगी राहत

एलपीजी गैस सिलेंडर हुआ सस्ता, 41 रुपये की कटौती

नई दिल्ली, एजेसी। एलपीजी की कीमतें बैट सहित स्थानीय करों के आधार पर हर राज्य में अलग-अलग होती हैं। हालांकि, घरेलू उपयोग में आने वाली रसोई गैस की कीमत (14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर) में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

महीने की पहली तारीख कुछ लोगों के लिए राहत लेकर आई है। दरअसल, एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती का ऐलान किया गया है। तंत कंपनियों की कीमतों में 41 रुपये की कटौती की गई है। महंगाई की मार के बीच इसे राहत के तौर पर देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, तेल विपणन कंपनीयों ने वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन किया है।



19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में आज से 41 रुपये की कटौती की गई है। दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की खुरदा कीमत 1795 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई थी। इससे भी पहले फरवरी में केंद्रीय आम बजट से पहले लोगों के लिए एक राहत भरी खबर आई थी। तब तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की

कीमतों में इजाफा हुआ था। तब यह दरें 25 रुपये बढ़ाई गई थीं। तब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक सिलेंडर की खुरदा कीमत 1795 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई थी। इससे भी पहले फरवरी में केंद्रीय आम बजट से पहले लोगों के लिए एक राहत भरी खबर आई थी। तब तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की

ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च में 23,430

वाहनों का पंजीकरण किया

नई दिल्ली। पिछले माह मार्च में में ओला इलेक्ट्रिक ने 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया। कंपनी बयान के अनुसार, दैनिक पंजीकरण की संख्या और लंबित आपूर्ति निपटान में लगातार सुधार हो रहा है। इसमें कहा गया कि हमने फरवरी की लंबित आपूर्ति का लगभग निपटारा कर दिया है। उम्मीद है कि फरवरी-मार्च में पंजीकृत अन्य वाहनों की आपूर्ति अप्रैल 2025 तक कर दी जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसने मार्च 2025 में अपने 'जेन-3' खंड की आपूर्ति भी शुरू कर दी है। मार्च में उत्पादन बढ़ा दिया था। तेज आपूर्ति और ब्रेडबैंड प्रोडक्शन को बढ़ावा देकर अप्रैल में इसे और बढ़ाना जारी रखेंगे।

ब्रॉडबैंड यूजर्स टेलीकॉम कंपनियों

की सेवाओं से नाराज

नई दिल्ली। इंटरनेट कनेक्शन में आ रही परेशानियों के कारण ब्रॉडबैंड कनेक्शन लेने वाले 62 फ्रीसदी यूजर्स अपने टेलीकॉम ऑपरेटर्स से नाराज हैं। वह ऑपरेटर बदलना चाहते हैं। ब्रॉडबैंड कनेक्शन में फाइबर और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम किया जाएगा या समाप्त किया जाएगा। वर्तमान में भारत 13 एफटीए और नी पीटीए का सदस्य है, इसके अलावा यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ओमान, न्यूजीलैंड और पेरू के साथ व्यापार वार्ता चल रही है। टैरिफ कम करने से, विशेष रूप से इनपुट और मध्यम मूल्य वर्ग के वस्तुओं पर मदद मिलती है।

इंडसैंड बैंक में सरकारी बैंकों का

निवेश, सीडी बाजार का सहारा लिया

नई दिल्ली। बैंकिंग सेक्टर में एक नया मुद्रा उभरा है जब इंडसैंड बैंक ने अपने डेबिटिव पोर्टफोलियो में गडबडीया पाने के इस्तीफा के बाद सीडी बाजार का सहारा लिया। इस बारीकी से समझाया जा रहा है कि इसके साथ जुड़े सरकारी बैंकों को भी इस असमंजस का सामना करना पड़ा है। मार्च में, इंडसैंड बैंक ने अपनी सीडी से 16,550 करोड़ रुपये जुटाए, वहीं बाजार में जोरदार प्रतिशत दरों के साथ इस निवेश के संदर्भ में एक बड़े बैंक के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि इंडसैंड बैंक के सीडी पर जिन दरों की पैकज की गई थी, हर कोई उसमें निवेश करना चाहेगा। यह निवेश सरकारी बैंकों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हुआ, खासकर उनको उसी की लागत को कम करने में मदद मिली। हालांकि, बैंक के इंटरनल ऑडिट में दर्ज गडबडीयां ने लोगों को चौंकाया।

नियंत्रण के लिए सीडी बाजार का सहारा लिया। इस बारीकी से समझाया जा रहा है कि इसके साथ जुड़े सरकारी बैंकों को भी इस असमंजस का सामना करना पड़ा है। मार्च में, इंडसैंड बैंक ने अपनी सीडी से 16,550 करोड़ रुपये जुटाए, वहीं बाजार में जोरदार प्रतिशत दरों के साथ इस निवेश के संदर्भ में एक बड़े बैंक के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि इंडसैंड बैंक के सीडी पर जिन दरों की पैकज की गई थी, हर कोई उसमें निवेश करना चाहेगा। यह निवेश सरकारी बैंकों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हुआ, खासकर उनको उसी की लागत को कम करने में मदद मिली। हालांकि, बैंक के इंटरनल ऑडिट में दर्ज गडबडीयां ने लोगों को चौंकाया।

संक्षिप्त समाचार

हाफिज, मसूद अजहर के करीबियों की हत्या के पीछे का सच सामने आया

कराची। पाकिस्तान में बैठकर भारत विरोधी गतिविधियों में लगे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे लोगों के कई करीबियों की हत्या हो गई है। इसके लिए कई बार आरोप लगे कि हत्या करने वालों को भारत का संरक्षण प्राप्त है। हालांकि इस तरह के आरोपों को भारत नकारता रहा है। अब एक रिपोर्ट आई जो कुछ अलग ही कहानी बयां कर रही है। इस बीच रिपोर्ट है कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश और लश्कर के बीच मतभेद गहरा गए हैं। इस बारे में एक डिटेल रिपोर्ट प्रकाशित की है। वेबसाइट ने खुफिया सूत्रों के हवाले से लिखा है कि दोनों संगठनों के सरगनाओं के बीच बातचीत से पता चला है कि आतंकी हमलों की योजना को लेकर उनकी सोच अलग-अलग है। इस वजह से दोनों एक साथ काम नहीं करना चाहते। पाकिस्तानी सेना ने इनके बीच सुलह कराने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही। अब पाकिस्तान जैश के आतंकियों को जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के लिए सुरक्षित रास्ता दे रहा है। इन दोनों संगठनों के बीच यह कलह इतनी बढ़ गई है कि वे एक दूसरे के सरगनाओं को निशाना बना रहे हैं।

बिस्मटेक शिखर सम्मेलन में मोदी-ओली के बीच बैकअप में होगी मुलाकात

काठमांडू। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में 4-5 अप्रैल को होने वाले बिस्मटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बीच साइडलाइन मुलाकात का समय तय हो गया है। बैकअप में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3 अप्रैल को वहाँ पहुँच रहे हैं जबकि नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली मंगलवार को ही काठमांडू से रवाना होने वाले हैं। बिस्मटेक से जुड़े सभी सदस्य देशों के राष्ट्र प्रमुखों के लिए थाईलैंड के प्रधानमंत्री के तरफ से 3 अप्रैल को राजकीय भोज का आयोजन किया गया है। यहाँ पर सभी के बीच अनौपचारिक मुलाकात होने वाली है। थाईलैंड में नेपाल के राजदूत धन बहादुर वली ने बताया कि नेपाल के प्रधानमंत्री ओली और भारत के प्रधानमंत्री मोदी के बीच 4 अप्रैल की सुबह साइडलाइन मुलाकात तय हुई है। उन्होंने बताया कि सूचित भारतीय प्रधानमंत्री की बैकअप यात्रा सिर्फ 24 घंटे के लिए है इसलिए उनकी व्यस्तता के कारण अंतिम समय में मुलाकात का समय आगे पीछे हो सकता है। भारतीय प्रधानमंत्री के साथ ओली की यह दूसरी साइडलाइन मुलाकात हो रही है। इससे पहले सितंबर 2024 में अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान दोनों के बीच साइडलाइन मुलाकात हुई थी। इसके बाद अब बैकअप में यह मुलाकात होने जा रही है। प्रधानमंत्री बनने के आठ महीने के बाद भी ओली की अब तक भारत का औपचारिक भ्रमण नहीं हो पाया है।

पाक में बलूचिस्तान के बरखान जिले में भूकंप से काफी धरती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में भूकंप आने के कुछ घंटों बाद सुबह बलूचिस्तान के बरखान जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, नुकसान की तस्का कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 रही और यह 12 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप का केंद्र बरखान से 59 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित रहा। इसमें कहा गया कि इससे पहले ईद के दिन भी शाम 4 बजे के आसपास कराची के विभिन्न इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि कराची में आए भूकंप की तीव्रता 4.7 थी और इसका केंद्र शहर से 75 किलोमीटर उत्तर में स्थित था। हालांकि, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन भूकंप के झटके के बाद लोग घबरा गए। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 4.6 थी और भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के उथल से 65 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

खालिदा जिया का बांग्लादेश के भविष्य के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने देश के बेहतर भविष्य और मुक्त में जम्हूरियत की स्थापना के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान किया। खालिदा ने यह अपील ईद और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ढाका में मौजूद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व अन्य से सौम्यता को लंदन से वरुअली संबोधन में की। खालिदा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को ईद और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी। उन्होंने लोकतंत्र की स्थापना के लिए आपसी सहयोग और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। यह कार्यक्रम गुलशन स्थित उनके कार्यालय में आयोजित किया गया।

ठाणे सिविल अस्पताल में आधुनिक एफरेसिस मशीन, डेगू मलेरिया हेतु वरदान



मुंबई। रक्त की एक थैली में रक्त को छटने से प्राप्त घटकों की मात्रा बहुत कम थी। इसलिए, हालांकि अक्सर रक्त में प्लेटलेट्स और प्लाज्मा घटकों को खोजने के लिए भागदौड़ करनी पड़ती है, लेकिन अब ठाणे जिला सिविल अस्पताल में शरीर से वांछित रक्त घटकों को निकालने के लिए एफरेसिस मशीन तैनात की गई है। आवश्यकतानुसार दाता से केवल प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और लाल कोशिकाएँ ही निकाली जाएगी। इससे डेगू, मलेरिया, लेप्टोस्पायरोसिस, गर्भवती महिलाओं आदि के लिए प्लेटलेट्स प्राप्त करने की आवश्यकता कम हो जाएगी। यह आधुनिक मशीन ठाणे सिविल अस्पताल में डेगू मलेरिया रोगियों के लिए वरदान साबित होगी।

सीएम ने किया उत्तर प्रदेश के बरेली में 932 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास दंगा करने की हिम्मत की तो दंगाई की संपत्ति गरीबों को बांट दी जाएगी: योगी

बरेली ■ एजेसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ साल में बरेली समेत सूबे भर में कहीं भी दंगे नहीं हुए। यदि अब किसी ने दंगा करने की हिम्मत की तो दंगाई की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी। समाजवादी सरकार ने नरेन्द्र मोदी को लवारिस छोड़ दिया था। उनके मुखिया कहते हैं कि गोबर से दुर्गा आती है। वे उनकी असलियत है। वे गौमाता को कसाइयों के हवाले करते थे। हमने कसाइयों को जहनुम भेजा, तो सपा को परेशानी हुई। वह बरेली में मंगलवार को स्कूल चली अभियान और संचारी रोग नियंत्रण अभियान के शुभारंभ के मौके पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बरेली में 932 करोड़ रुपये की 132 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।



उन्होंने कहा कि जिन एम्प्लॉयमेंट को आज हरी झंडी दिखाई गई है, उनसे स्वास्थ्य सेवाएँ और अधिक सशक्त जाएंगी। प्रदेश में 16 अटल आरसीय विद्यालय शुरू किए गए हैं, जो श्रमिकों के बच्चों के लिए मॉडल स्कूल के रूप में कार्य करेंगे। 2017 से पहले सरकारी स्कूलों की हालत खराब थी। अब 1.91 करोड़ छात्रों के बैंक खातों में 1200 रुपये भेजे जा रहे हैं। सरकार द्वारा दो यूनिफॉर्म और संपूर्ण ड्रेस अनिवार्य रूप से दी जा रही है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार,

अनुपम सुधारने के लिए 1.25 लाख से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई है। अब स्कूलों को इंटीग्रेटेड स्कूल कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश में 16 अटल आरसीय विद्यालय शुरू किए गए हैं, जो श्रमिकों के बच्चों के लिए मॉडल स्कूल के रूप में कार्य करेंगे। 2017 से पहले सरकारी स्कूलों की हालत खराब थी। अब 1.91 करोड़ छात्रों के बैंक खातों में 1200 रुपये भेजे जा रहे हैं। सरकार द्वारा दो यूनिफॉर्म और संपूर्ण ड्रेस अनिवार्य रूप से दी जा रही है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार,

बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधायक डॉ. राधेन्द्र शर्मा, डॉ. डीसी वर्मा, डॉ. श्याम बिहारी लाल, संजिव अग्रवाल व कृष्ण महाराज सिंह, अग्राध्यक्ष सोमपाल शर्मा, महानगर विकास अधीन संसदेना, आंबला जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, विशेष सचिव मुख्यमंत्री इशान प्रताप सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक रमिता शर्मा, कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक डॉ. राकेश सिंह, एमएसपी अनुराग आर्य आदि उपस्थित रहे।

देश की सभी ग्राम पंचायतों को तीव्र संघार प्रणाली से जोड़ा जाएगा: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

मुंबई ■ एजेसी

केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को मुंबई में कहा कि देश की प्रत्येक ग्राम पंचायतों को तीव्र संघार प्रणाली से जोड़ा जाएगा। इस दिशा में तीव्र संघार प्रणाली बनाने के लिए भारत नेट परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इससे सुदूरतम क्षेत्रों में भी अच्छी संघार व्यवस्था स्थापित हो सकेगी। भारत नेट फेज-2 के तहत देशभर में एक लाख 4जी नेटवर्क टावर लगाए जाएंगे। इन टावरों को मुख्य रूप से असंबद्ध क्षेत्रों में स्थापित करने की योजना है। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुंबई में स्थित सह्याद्रि गेस्ट हाउस में आज संचार प्रणाली से संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने भारत नेट के प्रथम चरण में अच्छा प्रदर्शन किया है। अब दूसरे चरण का क्रियान्वयन किया जा रहा है। केन्द्रीय संचार मंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश की शेष बची प्रत्येक ग्राम पंचायत तक संचार



व्यवस्था स्थापित करने का निर्देश दिया। साथ ही केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने मुंबई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और एमटीएनएल की संपत्तियों के संबंध में शहरी विकास विभाग, बृहन्मुंबई महानगरपालिका और केन्द्रीय दूरसंचार विभाग के अधिकारियों को एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए और चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार गढ़चिरोली सहित राज्य के दूरस्थ और अति दूरस्थ क्षेत्रों में संचार व्यवस्था बनाने में केंद्र के साथ पूरा सहयोग करेगी। टावर के निर्माण के लिए गढ़चिरोली के सुदूर क्षेत्रों में पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि

यदि इस क्षेत्र में संचार प्रणाली अच्छी तरह से विकसित हो जाए तो यहां के युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ना सुविधाजनक होगा। गढ़चिरोली सहित सुदूर क्षेत्रों में भी संचार व्यवस्था बनाई जा रही है। भारत नेट फेज-2 के तहत सरकार राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में संचार प्रणाली बनाने के लिए काम करेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य इस चरण में भी देश में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, मुख्य सचिव सुजाता सैनिक, केन्द्रीय दूरसंचार सचिव नीरज कुमार, बीएसएनएल के प्रबंध निदेशक रविंद्र रवि और अन्य उपस्थित थे।

गर्मी में राहत के लिए टीएमसी ने 25 स्थानों पर उपलब्ध कराया ठंडा पानी

मुंबई ■ एजेसी

चैत्र माह में बढ़ती गर्मी से निपटने के लिए ठाणे महानगरपालिका द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की मदद से महानगरपालिका क्षेत्र में 25 स्थानों पर सिंचाई योजनाएं शुरू की गई हैं। नगर निगम के साथ-साथ यस चैरिटेबल ट्रस्ट, जेपीएम चैरिटेबल फाउंडेशन और समर्थ भारत प्लेटफॉर्म ने इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इस पहल की शुरुआत मंगलवार को ठाणे स्टेशन पर सैटीस पुल पर अंतर्गत स्थित एक जल फव्वारे के उद्घाटन के साथ की गई। साथ ही झुलसती गर्मी से राहत देने के लिए 25 स्थानों पर शीतल जल पेय की व्यवस्था टीएमसी द्वारा आज से की गई है।

शहर में बढ़ते शहरीकरण के कारण उत्पन्न गर्मी संकट को नियंत्रित करने के लिए पिछले वर्ष ठाणे के लिए एक व्यापक ताप प्रबंधन योजना तैयार की गई थी। यह योजना महाराष्ट्र



सरकार, ठाणे नगर निगम और ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई है। ठाणे नगर निगम द्वारा की गई अपील के अनुसार, सीएसआर के माध्यम से जलपूर्ति सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इन 25 स्थानों पर ठंडे पानी में रखते हुए आयुक्त सौरभ खव के निर्देशानुसार महानगरपालिका क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त सौरभ खव द्वारा दिए गए

निर्देशानुसार पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर निगम क्षेत्र में सिंचाई शुरू कर दी गई है। ठाणे नगर निगम द्वारा की गई अपील के अनुसार, सीएसआर के माध्यम से जलपूर्ति सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इन 25 स्थानों पर ठंडे पानी में रखते हुए आयुक्त सौरभ खव के निर्देशानुसार महानगरपालिका क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त सौरभ खव द्वारा दिए गए

पश्चिम मध्य रेल
No. C/BPL/Catg/E-Auction/2025
दिनांक : 01.04.2025
वाटर बेंडिंग मशीन के टेंडरों के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है जिनकी केटलॉग IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की जा चुकी है जिनका विवरण निम्न प्रकार है :

केटलॉग नंबर - C-BPL-CATG-WVM, टेंडर का प्रकार - केटलॉग, ई निविदा शुरू होने की दिनांक व समय- 03.04.2025 11:00 Hrs

क्र.	लॉट नंबर	स्टेशन	केटलॉग युनिट की संख्या	टेंडर की अवधि
1	MSS-BPL-BPL-WVM-4-23-3	भोपाल	12	5 वर्ष
2	MSS-BPL-BINA-WVM-6-23-3	बीना	12	5 वर्ष
3	MSS-BPL-NDPM-WVM-18-23-2	नर्मदापुरम	4	5 वर्ष
4	MSS-BPL-BHS-WVM-8-23-2	बिदिशा	4	5 वर्ष
5	MSS-BPL-BAQ-WVM-11-23-3	नंज बरौली	4	5 वर्ष
6	MSS-BPL-GUNA-WVM-12-23-2	गुना	4	5 वर्ष
7	MSS-BPL-SCI-WVM-43-23-2	साँची	4	5 वर्ष
8	MSS-BPL-SVPL-WVM-21-23-2	शिवपुरी	4	5 वर्ष
9	MSS-BPL-HD-WVM-19-23-2	हरदा	2	5 वर्ष
10	MSS-BPL-BPF-WVM-14-23-2	बानापुरा	2	5 वर्ष
11	MSS-BPL-ASKN-WVM-7-23-2	अशोकनगर	2	5 वर्ष
12	MSS-BPL-KKN-WVM-15-23-2	खिड़किया	2	5 वर्ष
13	MSS-BPL-RTA-WVM-20-23-2	रूठिया	2	5 वर्ष
14	MSS-BPL-SHRN-WVM-10-23-2	संत हिरवात्मनगर	2	5 वर्ष
15	MSS-BPL-TLV-WVM-17-23-2	तलवाडिया	2	5 वर्ष
16	MSS-BPL-TBN-WVM-16-23-2	तिरुचरी	2	5 वर्ष

प्रतिभागियों ई नीलामी की मानक शर्तों के विवरण और लॉट की शर्तों के विवरण के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा के जानकारी ले सकते हैं तथा उक्त जानकारी टेंडर रजिस्ट्रार के क्र 3 पर दर्ज है।

मंडल वाणिज्य प्रबंधक, घग्घरे, भोपाल
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा

नक्सली मुख्य धारा में लौटें और समाज के साथ सकारात्मक योगदान दें

रायपुर ■ एजेसी

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने निवास कार्यालय में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति, बस्तर पंडुम महोत्सव और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट किया कि सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एक भी गोली चलना नहीं चाहती। न ही केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार इस दिशा में हिंसा को बढ़ावा देना चाहती है। सरकार की मंशा

है कि नक्सली मुख्य धारा में लौटें और समाज के साथ सकारात्मक योगदान दें। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में देश की सबसे प्रभावी और उदार आत्मसमर्पण नीति लागू की गई है। इस नीति के तहत बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्य धारा में लौट रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर की संस्कृति, स्वाभिमान और गौरव को उजागर करने वाला 'बस्तर पंडुम' महोत्सव आयोजित किया जा रहा है, जो 2 अप्रैल से 5 अप्रैल तक चलेगा। इस महोत्सव में बस्तर की सांस्कृतिक विविधता, पारंपरिक नृत्य, गीत, लोक



कला, आभूषण, परिधान और स्थानीय व्यंजनों की भव्य प्रस्तुति की जाएगी। अब बस्तर सामान्य होकर अपनी मूल संस्कृति को संभाल रहा है। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास 'बस्तर के राम' विषय पर व्याख्यान देंगे, जिसमें भगवान श्रीराम और बस्तर के ऐतिहासिक संबंधों पर

प्रकाश डाला जाएगा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जानकारी दी कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी 4 अप्रैल की रात रायपुर पहुंचेंगे और 5 अप्रैल की सुबह देलाड़ा प्रस्थान करेंगे। वहां वे माँ देवेश्वरी के दर्शन करेंगे और बस्तर पंडुम महोत्सव के समापन समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे बस्तर के स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विधायकों बलों के कमांडरों और अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। इसके उपरांत वे रायपुर लौटकर प्रशासनिक बैठक में भाग लेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के

कई गांवों में पहली बार मतदान हुआ है और अनेक स्थानों पर पहली बार तिरंगा फहराया गया है। यह भारत के संविधान को जमीनी स्तर पर लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने संविधान के वास्तविक स्वरूप को लागू करने के लिए धारा 370 हटाने का साहसिक कदम उठाया था और अब छत्तीसगढ़ के दूरस्थ गांवों में भी लोकतंत्र को सशक्त कर रही है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास को पहुंचाना है।

नर्मदापुरम की हलचल



राष्ट्रीय जूनियर हैंडबॉल में नर्मदापुरम के पांच खिलाड़ी

नर्मदापुरम। जहानाबाद बिहार में संपन्न हुई 46वीं जूनियर राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में हिमालय हैंडबॉल अकादमी नर्मदापुरम के 5 खिलाड़ी जीत खराबे, सतीश मशराम, विकास सेन, लवकुश, विराग ने मध्यप्रदेश से प्रतिनिधित्व किया। इस उपलब्धि पर स्मॉलटेन्स स्कूल के संचालक और मध्यप्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा, प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत, जिला खेल अधिकारी सुश्री उमा पटेल, सचिन खम्परिया, ऑफिसर एरिन मोजेस, विनोद कुमार साहू, विकास खम्परिया, शिखा खम्परिया सहित सभी हैंडबॉल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया। मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा राष्ट्रीय प्रतियोगिता खेलने वाले खिलाड़ी हिमालय हैंडबॉल अकादमी नर्मदापुरम के ही हैं।

पत्नी से मारपीट करने वाला पति दोषमुक्त

सिवनीमालवा। नगर के कुचबंदिया कालोनी के पास ग्राम सीरुपुरा के पतिराम पिता बट्टू लाल कोरक ने अपनी पत्नी मीनाबाई उर्फ गीताबाई के साथ गाली गलौच कर कुल्हाड़ी से मारपीट की थी। जिसकी रिपोर्ट थाना सिवनीमालवा में आहत ने की थी। रिपोर्ट के अनुसार पतिराम नशे का आदि था। दोनों पति पत्नी मजदूरी करते थे। नशे की बात पर से मीनाबाई द्वारा रोक-टोक करने पर आये दिन दोनों में विवाद होता रहता था। घटना वाले दिन भी इसी बात पर से दोनों में विवाद हो गया। जिस पर आरोपी ने मीनाबाई के साथ कुल्हाड़ी से मारपीट की थी। पुलिस ने मामला धारा 294, 323, 326, 506 में पंजीबद्ध कर न्यायालय में प्रस्तुत किया था। आरोपी की स्थिति अपना अधिवक्ता नियुक्त करने की नही होने पर शासन द्वारा विधिक सहायता से अधिवक्ता पुष्कर मिश्रा नियुक्त किये गये थे। प्रकरण की सुनवाई करते हुए जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती तबसुम खान ने आहत और प्रकरण के साक्षियों के साक्ष्यों में विरोधाभास होने के कारण संदेह का लाभ देते हुए आरोपी पतिराम को दोषमुक्त कर दिया। आरोपी की और से विधिक सहायता से पैरवी पुष्कर मिश्रा अधिवक्ता ने की।

रैली एवं रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ब्लॉक नर्मदापुरम के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता एवं जल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण एवं जल संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर 150 से अधिक छात्र-छात्राएं एवं परामर्शदाता उपस्थित रहे। उन्होंने रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया और रैली के जरिए समाज को जल बचाने का संदेश दिया।

इटारसी स्टेशन पर चोर के पास से 4 मोबाइल बरामद

इनकी कीमत 1 लाख से अधिक, आरोपी हरदा का रहने वाला

इटारसी ■ किल

इटारसी रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी आकाश चौहान हरदा का रहने वाला है और वर्तमान में इंदौर में रहता है। पुलिस ने मंगलवार को ये जानकारी दी है। सूचना पर 31 मार्च की रात को पुलिस ने स्टेशन के पार्सल ऑफिस के पास से आरोपी को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 4 मोबाइल फोन बरामद हुए। इन फोन की कुल कीमत करीब 1 लाख 10 हजार है।

एक मोबाइल स्टेशन से हुआ था चोरी

पुछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने सभी मोबाइल विभिन्न ट्रेनों और स्टेशनों से चोरी किए थे। वह इन्हें बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। जांच में एक विद्युत कंपनी का मोबाइल जीआरपी थाने में दर्ज चोरी के मामले से संबंधित पाया गया। पुलिस ने इस मोबाइल को जब्त कर लिया है। अन्य तीन मोबाइल के मालिकों की तलाश जारी है। आरोपी भीड़भाड़ का फायदा उठाकर यात्रियों के मोबाइल चुराता था।

कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

5 अप्रैल तक सभी विभागीय अधिकारी अपना वार्षिक रोस्टर निरीक्षण डायरी बनाएं - कमिश्नर

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे वार्षिक लक्ष्य का निर्धारण करते हुए विभागीय रोस्टर निरीक्षण डायरी बनाएं। इसमें अपनी योजनाओं एवं निर्माण कार्यों तथा निरीक्षण का लक्ष्य निर्धारित करें और अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुसार ही सारे कार्य समय सीमा में संपादित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष सभी अधिकारी अपने दिए गए लक्ष्य को बढ़ाएं। उन्होंने संभाग के सभी जिलों में नरवाई जलाने की प्रवृत्ति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसानों के बीच जाकर

हैपी सीडर और सुपर सीडर मशीन के उपयोग को बढ़ावा दें। किसानों को समझाइश दे को सुपर एवं हैपी सीडर मशीन से नरवाई काट कर उसका उपयोग भूसे के रूप में करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि किसानों को मक्का की फसल लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मूंग एवं गेहूँ की बजाय किसान मक्का का उत्पादन करें इसके लिए कृषि विभाग हर संभव प्रयास करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कमिश्नर तिवारी ने निर्देश दिए कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 15 विभाग को संलग्न किया गया है जो जल गंगा अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों को मूर्त रूप दें। उन्होंने गेहूँ उपाजर्ज के संबंध में



भी आवश्यक जानकारी ली एवं बताया कि अब तक किसानों को गेहूँ उत्पादन का 14 करोड़ रुपए का पैमेंट किया गया है लेकिन अभी 5 करोड़ का पैमेंट संकसेस दिख रहा है। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि गेहूँ उपाजर्ज के सात दिवस के अंदर किसानों को उपाजर्ज का पैमेंट करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी एवं स्कूल अपने निर्धारित

समय पर खोलने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने 2005 के बाद नियुक्त ऐसे कर्मचारी एवं अधिकारी जिनका एनपीएस मिसिंग कटोजा है उनके मिसिंग कटोजा को एनपीएस में जोड़ने के निर्देश दिए और कहा कि मिसिंग कटोजा को मैचिंग अनिवार्य रूप से कराई जाए। कमिश्नर ने खुले बोरेवाल एवं नलकूप के गड्डो को ढकने के निर्देश दिए और कहा कि खुले नलकूप एवं बोरेवाल से नलकूप एवं बोरेवाल के अनुप्रयोगी गड्डो को खुला छोड़ने वालों के विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टरों को मिलावटी खाद्य पदार्थ की जांच करने के निर्देश दिए

और कहा कि ड्रग इंस्पेक्टर वर्ष भर सक्रिय रहकर मिलावटी एवं दूषित खाद्य पदार्थ की जांच करें।

कमिश्नर ने आईआईटी महाविद्यालय में 30वें महिला सीट के रिक्त रहने के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि वे बालिकाओं एवं महिलाओं के बीच जाकर आईटीआई महाविद्यालय में विभिन्न तकनीकी कोर्स में प्रवेश लेने के लिए बालिकाओं एवं महिलाओं को प्रोत्साहित करें। संभागीय समय सीमा की बैठक में अपर आयुक्त आरपी सिंह, उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर सहित सभी संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

विद्यार्थी हमारे कल के भविष्य है, कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे

सभी विद्यार्थियों को नवीन कक्षा में प्रवेश के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं - विधायक

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में आज 01 अप्रैल से संपूर्ण प्रदेश में चार दिवसीय स्कूल चले हम राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम अभियान का शुभारंभ किया गया। इसी तारतम्य में आज मंगलवार 1 अप्रैल को शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माखननगर में स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2025 के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माखननगर के प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण करके प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2025 की शुरुआत की। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर विधायक सोहागपुर विजयपाल सिंह ने नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत, पुस्तक वितरण एवं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किए



सभी विद्यार्थियों से कहा कि आप उन्नति करोगे तो देश उन्नति करेगा

विधायक विजयपाल सिंह ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों से कहा कि आप उन्नति करोगे तो देश उन्नति करेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को कक्षा के लिए आने से पहले क्षेत्र जिले, प्रदेश और देश में शिक्षा संबंधित क्या चल रहा है जानकारी होना चाहिए, आपको अपने क्षेत्र के कलेक्टर का नाम, एनपी का नाम एवं आपके क्षेत्र के विधायक का नाम प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम पता होना चाहिए। स्कूल चले हम अभियान के तहत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माखननगर में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ संवाद कर प्रोत्साहित किया।

विद्यार्थियों को सम्मानित किया। सोहागपुर विजयपाल सिंह ने अपने संबोधन में सभी विद्यार्थियों से कहा कि आप खूब पढ़ें-लिखें और आगे बढ़ें, हमारी सरकार आपके शिक्षित और

उज्वल भविष्य के लिए हरसंभव कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधायक विजयपाल सिंह ने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर गणवत्तापूर्ण कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार आपकी शिक्षा के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं कर रही हैं तो आप सभी मन लगाकर पढ़ें और आगे बढ़ें अपने जिले एवं प्रदेश का नाम ऊंचा करें। विधायक विजयपाल सिंह ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों से कहा कि आज के समय में आप लोगों को नई-नई विधाएं सीखनी चाहिए और नई-नई टेक्नोलॉजी आ गई है उन सब का भ्रम होना चाहिए, अपने शिक्षा के स्तर को और आगे बढ़ाएं। विधायक सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि अपने मोबाइल फोन का नही इस्तेमाल करें मोबाइल से आपको शिक्षा संबंधित विभिन्न जानकारी प्राप्त हो जाएगी।

प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में विधायक विजयपाल सिंह ने उपस्थित शिक्षकों से कहा कि समय सीमा में अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं प्रवेशोत्सव संपन्न कराएं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक बच्चों को अच्छी शिक्षा एवं संस्कार दें क्योंकि बच्चे हमारे कल का भविष्य हैं। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में उपरंत शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नवीन प्रयोग शाला का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष सावित्रीबाई परनामे, मंडल अध्यक्ष मनीष चुक्रेदी, पार्षद निरंजन गवत, संपन्न संघ अध्यक्ष कृष्ण कुमार झा, लार्जस क्लब अध्यक्ष संजय वर्मा, पूर्व अध्यक्ष दीपक वर्मा, पार्षद प्रतिनिधि, गौतु मिश्र, महेश साहू, संजय अग्रवाल, बीआरसी श्याम पटेल, प्राचार्य प्रीति झा, बीईओ सुभामा पिपले सहित जनप्रतिनिधिगण विभागीय अधिकारी कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नपा ने बढ़ाया दुकानों का किराया व्यापारियों ने जनसुनवाई में एसडीएम से की शिकायत

कांग्रेस कल करेगी प्रदर्शन

इटारसी ■ किल

नगर पालिका परिषद के दुकानों के किराए में की गई बढ़ोतरी का विरोध शुरू हो गया है। संयुक्त व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को एसडीएम की जनसुनवाई में यह मुद्दा उठाया। महासंघ के अध्यक्ष दीपक हरिनारायण अग्रवाल और सचिव सन्मुख दास सनी चेलानी ने एसडीएम से शहर में लगे अवैध होर्डिंस को हटाने की भी मांग की। इस शिकायत के बाद नगर पालिका ने अवैध होर्डिंस को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आज नगर पालिका कार्यालय में होगा विरोध प्रदर्शन: नगर कांग्रेस के



नगर अध्यक्ष मनोर जायसवाल ने बताया कि बुधवार सुबह 11 बजे से नगर पालिका कार्यालय में किराना वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान एसडीएम टी प्रतीक राव के एक नवाचार की भी सराहना हुई। वे पिछले एक साल से हर

भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों हेतु पुरस्कार योजना

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश शासन पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के लिये पुरस्कार योजना 02 से 08 अप्रैल 2025 के मध्य किया जाना है। जिसमें जिले के समस्त विकासखण्डों में पशुपालकों के उन्नत नस्ल के दुधारूगायों का चयन कर निर्धारित मापदंड अनुसार, विकास खण्ड स्तर पर प्रतिदिन, तीन समय का दुध उत्पादन की तुलना कर औसत दुध उत्पादन के आधार पर जिला स्तर पर पुरस्कार हेतु चयन किया जावेगा। जिसमें जिला स्तर पर प्रथम पुरस्कार राशि रुपये 51 हजार रुपए द्वितीय पुरस्कार राशि रुपये 21 हजार रुपए एवं तृतीय पुरस्कार राशि रुपये 11 हजार रुपए तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किया जावेगा। जिन पशुपालकों के पास भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय है तथा जिनका प्रतिदिन दुध उत्पादन 6 लीटर या उससे अधिक हो वे आवेदन के पात्र होंगे। ऐसे पशुपालक अपने विकासखण्ड के विकासखण्ड पशु चिकित्सा अधिकारी/पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ से सम्पर्क कर आवेदन का प्रारूप प्राप्त कर आवेदन कर सकते हैं एवं विस्तृत दिशा निर्देश प्राप्त कर सकते हैं।

महिलाओं ने पति की दीर्घायु और युवतियों ने योग्यवर की कामना के साथ ईसर गौर को दी विदाई



धूमधाम से हुआ 16 दिवसीय गणगौर पर्व का समापन

सिवनीमालवा ■ किल

सुहागिन महिलाओं ने पति की दीर्घायु, सुखद जीवन की कामना और अविवाहित युवतियों ने योग्यवर की कामना के लिए किए गए 16 दिवसीय गणगौर पर्व का मंगलवार को समापन किया। चैत्र शुक्ल पक्ष तीज को सुबह महिलाओं और युवतियों ने सजधज कर पूर्ण श्रद्धा भक्ति के साथ गौर गौर जवारे की बाड़ियों को विसर्जित किया गया। शोभायात्रा का नगर में विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में ब्राह्मण समाज, माहेश्वरी समाज, अग्रवाल समाज, जैन समाज सहित सकल मारवाड़ी बच्चे श्री सीताराम मंदिर कल्लू चौक से बैंड बजे के साथ पूर्ण श्रद्धा भक्ति

जन अभियान परिषद ने जल गंगा संवर्धन का शुभारंभ किया



सिवनीमालवा ■ किल

जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गाजनपुर, जीवन दायनि समाज सेवा समिति गाजनपुर द्वारा सेक्टर क्रमांक 04 मालापाट के अंतर्गत आने वाली ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भमेड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसमें नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गाजनपुर, जीवन दायनि समाज सेवा समिति गाजनपुर अध्यक्ष सुनील सिंगोरिया, परामर्शदाता सेवनदास लौवंशी, बी.एस.डब्ल्यू. छात्रा कु. स्वाति यदुवंशी, एम.एस.डब्ल्यू. छात्रा काजल, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भमेड़ी अध्यक्ष विनोद

रघुवंशी, ग्राम पंचायत भमेड़ी के सचिव महोदय विजय यादव, ग्राम रोजगार सहायक विक्रम रघुवंशी, जीवन दायनि समाज सेवा समिति गाजनपुर द्वारा सेक्टर क्रमांक 04 मालापाट के अंतर्गत आने वाली ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भमेड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसमें नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गाजनपुर, जीवन दायनि समाज सेवा समिति गाजनपुर अध्यक्ष सुनील सिंगोरिया, परामर्शदाता सेवनदास लौवंशी, बी.एस.डब्ल्यू. छात्रा कु. स्वाति यदुवंशी, एम.एस.डब्ल्यू. छात्रा काजल, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भमेड़ी अध्यक्ष विनोद